प्रश्न बैंक

सत्र – 2022–23

विषय—हिंदी

कक्षा — सातवीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़

प्रकाशन वर्ष 2022–23

संरक्षक

राजेश सिंह राणा 'IAS'
संचालक, SCERT

मार्गदर्शक

डॉ.योगेश शिवहरे अतिरिक्त संचालक, SCERT,
डॉ.निशी भाम्बरी संयुक्त संचालक, SCERT

संयोजक

श्रीमती दिव्या क्लारेट लकरा, प्राध्यापक
श्रीमती कौशिल्या खुटे, श्रीमती लीना नेमपांडे

विशेष सहयोग

डॉ.विद्यावती चन्द्राकर

विषय विशेषज्ञ

डॉ. डी. के. बोदले

लेखन

रविशंकर वर्मा, लीना ध्रुव

टंकण

विजया वैष्णव

आवरण

सुधीर कुमार वैष्णव

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़
शंकर नगर, रायपुर

आमुख

वर्तमान में शालाओं में आकलन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाने तथा शिक्षकों और छात्रों में विषयों की समझ को अधिक विकसित करने से लिए अच्छे प्रश्नों का निर्माण होना आवश्यक है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए SCERT द्वारा पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया है। प्रश्न बैंक के माध्यम से शिक्षण अधिगम संबंधी उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। शिक्षक इसका उपयोग पढ़ाने, परीक्षा लेने तथा छात्र स्वआकलन के लिए कर सकते है।

बच्चों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम) पूर्ण किया जाना है। इसी आधार पर कक्षा 1 से 8 के लिए कक्षावार विषयवार प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया। निर्मित **'प्रश्न बैंक'** में कक्षा के अधिगम स्तर का ध्यान रखा गया है तथा सम्पूर्ण पाठ से प्रश्न निकाले गए हैं, प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ, अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय क्रम में रखा गया।

सृजित **'प्रश्न बैंक'** में समाहित प्रश्न ज्ञानात्मक, समझ, अनुप्रयोग, विशलेषण आधारित है एवं विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हैं। यह **'प्रश्न बैंक'** अध्ययन अध्यापन में अन्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके द्वारा विद्यार्थियों के अपेक्षित कौशलों के विकास को जांचा-परखा जा सकेगा और पाठ्यपुस्तक में वर्णित अवधारणाओं को समझने के सरलता होगी। इन प्रश्नों के माध्यम से बच्चे स्वयं को सक्रिय रख पाएँगे तथा बच्चों में स्वयं करके सीखने, अपने परिवेश को समझने, तर्क करने, चिंतन करने, अपने अनुभवों की अभिव्यक्ति आदि गुणों का विकास हो सकेगा। इस **'प्रश्न बैंक'** के माध्यम से बच्चों में भाषायी कौशलों के विकास के साथ विषय-वस्तु की समझ विकसित होगी। शिक्षकों को यह 'प्रश्न बैंक' विषयवस्तु को सरल एवं विकसित करने में उनकी मदद करेगा।

यह **'प्रश्न बैंक'** शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी है शिक्षकों से आग्रह है कि 'प्रश्न बैंक' का अध्ययन कर इनकी उपयोगिता सुनिश्चित करें।

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर

कक्षा - 7

विषय – हिंदी

विषय सूची

पाठ	पाठ का नाम	पेज
1	कुछ और भी दूं	1-5
2	प्रेरणा के पुष्प	6-9
3	विद्रोही शक्तिसिंह	10-13
4	मौसी	14-17
5	सरद रितु आ गे	18-21
6	सदाचार का तावीज	22-25
7	रात का मेहमान	26-29
8	भिखारिन	30-33
9	त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारे लाल	34-37
10	सितारों से आगे	38-41
11	कोई नहीं पराया	42-15
12	प्रेरणा स्रोत	46-49
13	सुभाषचंद्र बोस का पत्र	50-54
14	भारत बन जाही नंदन वन	55-58
15	शतरंज में मात	59-62
16	काव्य माधुरी	63-67
17	वर्षा बहार	68-71
18	मितानी	72-76
19	शहीद बकरी	77-81
20	लक्ष्य बेध	82-86
21	सुवागीत	87-90
22	सुब्रह्मण्य भारती	91-93
	अपठित गद्यांश	94-96
	पत्र लेखन	97-101

पाठ – 1

कुछ और भी दूं

- कवि श्री रामावतार त्यागी

प्र.1 निम्नलिखित शब्दों के सही रूप को छांटकर लिखिए-

i. न्यौछावर / न्योछावर

उ. न्यौछावर

ii. सवीकार / स्वीकार

उ. स्वीकार

iii. आशीश / आशीष

उ. आशीष

iv. अनुप्रास / अनुपरास

उ. अनुप्रास

v. स्वाभाविक / स्वभाविक

उ. स्वाभाविक

vi. अकिंचन / अकीन्चन

उ. अकिंचन

vii. कृतज्ञ / क्रतग्य

उ. कृतज्ञ

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. कुछ और भी दूं, पाठ के कवि कौन हैं?
   उत्तर: कुछ और भी दूं, पाठ के कवि श्री रामावतार त्यागी जी हैं।
2. कवि ने थाल में क्या सजाकर लाने की बात कही है?
   उत्तर: कवि ने थाल में भाल सजाकर लाने की बात कही है।
3. कवि ने इस कविता में क्या समर्पण करने की बात कही है?

उत्तर: कवि ने इस कविता सर्वस्व (सब कुछ) सपर्पण करने की बात कही है।

4. हम पर किसका ऋण बहुत अधिक है?
   उत्तर: हम पर मातृभूमि का ऋण बहुत अधिक है।
5. कवि ने अपने-आप को कैसा प्राणी कहा है?
   उत्तर: कवि ने अपने-आप को तुच्छ (छोटा) प्राणी कहा है।
6. किसका मूल्य (ऋण) हम बलिदान देकर भी नहीं चुका पाएंगे?
   उत्तर: मातृभूमि का मूल्य (ऋण) हम बलिदान देकर भी चुका नहीं पाएंगे।
7. कवि कौन सा बंधन तोड़ना चाहता है?
   उत्तर: कवि मोह का बंधन तोड़ना चाहता है।
8. कवि सीधे हाथ में क्या दे-दो कह रहे हैं?
   उत्तर: कवि सीधे हाथ में तलवार दे-दो कह रहे हैं।
9. कवि कमर में क्या बाँधने की बात कह रहे हैं?
   उत्तर: कवि कमर में ढाल बाँधने की बात कह रहे हैं।
10. कवि चरण की धूल कहाँ पर मलने की बात कह रहे हैं?
    उत्तर: चरण की धूल भाल में मलने को कह रहे हैं।
11. कवि मन, तन, और जीवन किसे समर्पित करना चाहता है?
    उत्तर: कवि तन, मन और जीवन मातृभूमि को समर्पित करना चाहता है।
12. कवि बाएं हाथ में क्या थमा दो कह रहे हैं?
    उत्तर: कवि बाएं हाथ में तिरंगा झंडा थमा दो कह रहे हैं।
13. कवि रक्त के एक-एक बूँद किस पर न्यौछावर करना चाहता है?
    उत्तर: कवि रक्त के एक-एक बूँद मातृभूमि पर न्यौछावर करना चाहता है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कवि देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर क्यों करना चाहता है?
   उत्तर: कवि देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करना चाहता है, क्योंकि उस पर देश का बहुत अधिक ऋण है।
2. कवि ने इस कविता में क्या-क्या समर्पण करने की बात कही है?

उत्तर: कवि ने इस कविता में अपना-घर-आँगन, चमन, प्रश्न, स्वप्न, गीत, प्राण, तन और मन आदि समर्पण करने की बात कही है।

3. 'मां तुम्हारा ऋण बहुत है', इस पंक्ति में 'मां' शब्द का संबोधन किसके लिए किया गया है?

   उत्तर: 'मां तुम्हारा ऋण बहुत है', इस पंक्ति में 'मां' शब्द का संबोधन 'मातृभूमि' के लिए किया गया है।

4. अपना सर्वस्व सपर्पण करने के बाद भी कवि संतुष्ट क्यों नहीं है?

   उत्तर: अपना सर्वस्व समर्पण करने के बाद भी कवि संतुष्ट नहीं है क्योंकि मातृभूमि का हम पर बहुत ऋण है जिसे हम चुका नहीं सकते।

5. कुछ और भी देने की चाहत कवि को क्यों है?

   उत्तर: कुछ और भी देने की चाहत कवि को इसलिए है क्योंकि जो कुछ वह समर्पित कर रहा है और वह सब कुछ मातृभूमि का ही देन है। इस समर्पण में उसका कुछ भी नहीं है।

6. कवि स्वयं को अकिंचन क्यों कह रहे हैं?

   उत्तर: कवि स्वयं को अकिंचन (तुच्छ) कह रहे हैं, क्योंकि यह जीवन तो मातृभूमि की देन है, गाँव, घर, आँगन, परिवार, सभी मातृभूमि का ही दिया हुआ है।

7. क्या स्वीकार करने का आग्रह कवि राष्ट्र माँ से कर रहे हैं?

   उत्तर: कवि राष्ट्र माँ से आग्रह कर रहे हैं कि मैं एक तुच्छ प्राणी हूँ, फिर भी मेरा यह निवेदन है कि मैं जब अपना बलिदान दूं तो मुझ पर दया करके मेरा यह बलिदान स्वीकार कर लेना।

8. 'थाल में भाल' सजाने से कवि का आशय क्या है?

   उत्तर: 'थाल में भाल सजाने से कवि का आशय है कि जब मैं आपकी रक्षा के लिए वीरगति को प्राप्त होऊँ, उपहार स्वरुप मस्तक को थालियों में सजाकर लाऊं तो उसे स्वीकार कर लेना।

9. स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित, आयु का क्षण-क्षण समर्पित, इन पंक्तियों से कवि का क्या आशय है?

   उत्तर: उक्त पंक्तियों का आशय यह है कि राष्ट्र की उन्नति के ही स्वप्न संजोये हैं, उनके मन में सदैव राष्ट्र हित के ही विचार उत्पन्न होते रहे।

10. कवि घर-द्वार, आंगन, गावं से क्षमा क्यों मांगता है?

    उत्तर: कवि देश की रक्ष के लिए अपने घर-द्वार, आंगन एवं गावं को छोड़ना चाहता है। वह इसके प्रति अपने कर्तव्यों को न कर पाने के कारण इनसे क्षमा मांगता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कवि घर-द्वार, आंगन से क्षमा क्यों मांगता है?

   उत्तर: जिस घर द्वार, अंगा व गाँव में व्यक्ति का जन्म हटा है, उसके प्रति प्रेम स्वाभाविक है और उससे भी बढ़कर बात यह है की उसके प्रति भी हमारा कुछ करने का कर्तव्य होता है, कवि इन कर्तव्यों को छोड़कर देश के लिए मर-मिटने को आतुर हैं, अतः उन्होंने अपने घर, द्वार, आंगन और गावं से क्षमा की याचना की। तात्पर्य यह है कि राष्ट्रीय हित, क्षेत्रीय हित से बढ़कर है।

2. कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

   उत्तर: 'कुछ और भी दूँ' कविवर रामावतार त्यागी रचित राष्ट्र-प्रेम की भावना से सराबोर कविता है। कवि इस कविता में राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने पर भी संतुष्ट नहीं होता, उसे और भी कुछ देने की इच्छा प्रकट करता है। तात्पर्य यह है कि मातृभूमि के उपकारों को हम अपना सर्वस्व न्यौछावर कर भी चुका नहीं सकते।

3. कवि इस कविता के माध्यम से देश के नवयुवकों / नवयुवतियों को क्या संदेश देना चाहता है?

   उत्तर; कविवर त्यागी जी ने इस कविता के माध्यम से देश के नवयुवक / नवयुवकों को राष्ट्रीय कर्तव्य के प्रति सजग होने का सन्देश दिया है। वे चाहते हैं कि देश की युवा पीढ़ी क्षेत्रीय संकीर्णता से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के प्रति विचार करे। मातृभूमि के द्वारा किये गए असीम उपकारों को युवा पीढ़ी हृदय से अनुभव करें तथा अपना तन, मन और प्राण राष्ट्र के प्रति समर्पित करें, क्योंकि राष्ट्रहित में ही सर्वहित निहित है। राष्ट्र के ऊपर न व्यक्ति है, न कोई क्षेत्र इसलिए देश के लिए जीने व देश के लिए मरने वालों का ही जीवन सार्थक है।

4. स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित, आयु का क्षण-क्षण समर्पित इस कविता को पढने के बाद आपको क्या महसूस होता है?

   उत्तर: स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित, आयु का क्षण-क्षण समर्पित। इस कविता को पढने के बाद महसूस होता है कि मैं भी अपनी सारी कल्पनाओं एमव जिज्ञासाओं को मातृभूमि पर न्यौछावर कर देता। इसके साथ-साथ अपनी आयु का एक-एक क्षण (पल) भी अपनी मातृभूमि को समर्पित कर देना चाहता हूँ। क्योंकि मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब कुछ मातृभूमि का ही दिया हुआ है। इसकी रक्षा करना मेरा प्रथम कर्तव्य है।

5. इस कविता में कवि राष्ट्र के प्रति अपना सब कुछ अर्पित करने की बात करता है। क्या आपको लगता है कि हमारे आस-पास के लोग इसके लिए तैयार हैं? लिखिए।

   उत्तर: इस कविता में कवि राष्ट्र के प्रति अपना सब कुछ अर्पित करने की बात करता है, इसके लिए अवश्य तैयार होंगे। हालाँकि हर इंसान माया-मोह के बंधन में जकड़ा हुआ है। भाग-दौड़ की जिंदगी में हर इंसान के पास आज समय की कमी है, फिर भी जब राष्ट्र हित की बात आती है तो हर इंसान माया-मोह का त्याग कर राष्ट्र के लिए तन, मन, धन से समर्पित होने को तैयार रहता है।

6. अपनी माँ और राष्ट्रमाता में आपको क्या फर्क लगता है? अगर हम सब अपनी माँ के सम्मान के प्रति उत्तरदायी है तो सवाभाविक रूप से राष्ट्रमाता के प्रति भी हम समर्पित होंगे। विचार कर लिखिए।

   उत्तर: जननी और जन्मभूमि दोनों ही माँ है। जननी जो हमें जन्म देती है जबकि जन्मभूमि जो हमारा पालन करती है और हमें सुरक्षा प्रदान करती है। हमारी पहचान मातृभूमि के कारण ही होती है, इसलिए जन्मभूमि की रक्षा करना तथा तन, मन, धन और अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करना हमारा प्रथम कर्तव्य है, जिसके कारण हमारी जननी तथा जन्मभूमि दोनों का सम्मान बढ़ता है। सही मायने में हमारा जीवन सार्थक तभी माना जायेगा जब हम अपनी जननी और जन्मभूमि के लिए मर-मिट सकें।

पाठ – 2

प्रेरणा के पुष्प

- लेखक मंडल

प्र. 1 उचित सम्बन्ध जोड़िये-

सफ़ेद	- महिला
वृद्ध	- बाल
सुन्दर	- दुःख
गरीब	- फूल
अनुकरणीय	- मरीज
असहनीय	- व्यक्ति
असहाय	- विद्यार्थी

उत्तर:

सफ़ेद	- बाल
वृद्ध	- महिला
सुन्दर	- फूल
गरीब	- विद्यार्थी
अनुकरणीय	- व्यक्ति
असहनीय	- दुःख
असहाय	- मरीज

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

1. जमीन कौन खोद रहा था?

   उत्तर: एक बूढा आदमी जमीन खोद रहा था।

2. बूढ़े आदमी के बाल कैसे थे?
   उत्तर: बूढ़े आदमी के बाल सफ़ेद थे।
3. बूढ़ा आदमी क्या रोप रहा था?
   बूढ़ा आदमी आम का पौधा रोप रहा था।
4. एक वृद्ध महिला किसमें सफ़र कर रही थी?
   उत्तर: एक वृद्ध महिला रेलगाड़ी में सफ़र कर रही थी।
5. वृद्ध महिला क्या फेंक रही थी?
   उत्तर: वृद्ध महिला मुट्ठी से सुन्दर फूलों और फलों के बीज फेंक रही थी।
6. बेंजामिन फ्रेंकलिन ने गरीब विद्यार्थी को क्या दिए?
   बेंजामिन फ्रेंकलिन ने गरीब विद्यार्थी को बीस डालर दिए।
7. कोलकाता में कौन सा रोग फ़ैल गया था?
   उत्तर: कोलकाता में प्लेग रोग फ़ैल गया था।
8. आम की गुठलियों को बोने के पीछे बुजुर्ग की क्या भावना थी?
   उत्तर: आम की गुठलियों को बोने के पीछे बुजुर्ग की परमार्थ की भावना थी।
9. भाग-दौड़ और कठिन परिश्रम करने के कारण स्वामी जी क्या हो गए थे?
   उत्तर: भाग-दौड़ और कठिन परिश्रम करने के कारण स्वामी जी अस्वस्थ हो गए थे।
10. चिकित्सकों ने स्वामी जी को क्या करने के लिए जोर दिया?
    उत्तर: चिकित्सकों ने स्वामी जी को वायु-परिवर्तन तथा विश्राम करने कके लिए जोर दिया।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. बुजुर्ग को परिश्रम करते देखकर उनसे, नौजवान के क्या सवाल थे?
   उत्तर: बुजुर्ग को परिश्रम करते देखकर उनसे, नौजवान ने उनसे पूछा कि बाबा आप यह क्या कर रहे हो।
2. रेल में सफ़र करती बुजुर्ग महिला मुट्ठी से बहार क्या बिखेर रही थी? और क्यों?

उत्तर: रेल में सफ़र करती बुजुर्ग महिला मुट्ठी से बहार सुन्दर फूलों और फलों के बीज बिखेर रही थी। क्योंकि हव चाहती थी कि यदि इनसे पेड़ और पौधे उत्पन्न होंगे तो इससे लोगों को फायदा होगा।

3. महाप्राण विवेकानंद क्यों अस्थिर चित्त हो गए?

   उत्तर: महाप्राण विवेकानंद जा दार्जलिंग में थे तभी उन्हें समाचार मिला कि कोलकाता में प्लेग फ़ैल गया है और प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो रही है। यह समाचार सुनकर अस्थिर चित्त हो गए।

4. विवेकानंदजी ने सन्यासी जीवन के बारे में क्या बताया?

   उत्तर: विवेकानंदजी ने सन्यासी जीवन के बारे में बताया कि असहायों, पीड़ितों के प्रति सहानुभूति एवं उदारता पूर्वक उनकी सहायता करना बताया।

5. अपने काम से विवेकानंदजी ने स्वदेश वासियों को क्या शिक्षा देने लगे?

   उत्तर: अपने काम से विवेकानंदजी ने स्वदेश वासियों को शिक्षा देने लगे कि किस प्रकार नर को नारायण मान सेवा करना योग्य है।

6. किसी बुजुर्ग व्यक्ति के प्रति हम नई पीढ़ी के लोगों का क्या कर्त्तव्य होना चाहिए?

   उत्तर: किसी बुजुर्ग व्यक्ति के प्रति हम नई पीढ़ी का कर्त्तव्य यह होना चाहिए कि हम उनकी सेवा करें, उन्हें आदर और सम्मान दे, उनके सुख-दुःख में उनका ख़याल रखें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पाठ में सहयात्री शब्द का अर्थ है साथ-साथ यात्रा करने वाला, इस शब्द का निर्माण यात्री में 'सह' शब्द जोड़कर किया गया है। इसी तरह 'सह' शाद जोड़कर कुछ अन्य शब्दों का निर्माण कीजिये।

   उत्तर: सहपाठी = साथ-साथ पढ़ने वाले
   सहयोगी = साथ-साथ काम करने वाले
   सहयोग = मदद
   सहचर = साथ-साथ चलने वाले
   सहगामी = साथ-साथ जाने वाले

2. पाठ का शीर्षक 'प्रेरणा के पुष्प' रखा गया है। इस पाठ को पढ़ने से आपको क्या अनुभूति हुई? लिखिए।

   उत्तर: 'प्रेरणा के पुष्प' पाठ को पढ़ने से हमें यह प्रेरणा मिली कि हम सब एक-दूसरों की मदद करें, सबके सुख-दुःख में साथ दें, परोपकार एवं कल्याण का कार्य करें, समाज और राष्ट्र के हित में विचार करें।

3. अपने स्वास्थ्य की चिंता न करते हुए स्वामी विवेकानंद ने प्लेग-पीड़ितों की किस प्रकार सेवा की?

   उत्तर: स्वामी विवेकानंद एक सच्चे समाज सेवक एवं परोपकारी संत थे। यह निर्माण एवं शिक्षा-दान के कार्य में निरंतर भाग-दौड़ के कारण वे अस्वस्थ हो गए, इसके बावजूद उन्होंने अपने जान कि परवाह किये बिना कोलकाता जाकर प्लेग से पीड़ित बीमारों की दिन-रात सेवा की। प्लेग फैलने वाली बीमारी है, इसके बावजूद उन्होंने मरीजों को औषधि वितरण का कार्य किया। शहर की गन्दगी साफ़ करने में कार्यकर्ताओं की मदद की। वे छूत-अछूत में भेद-भाव नहीं करते थे।

4. "मैं इस उम्मीद से फेंक रही हूं कि इनमें से कुछ भी अगर जड़ पकड़ लें तो लोगों को इनसे कुछ फायदा होगा।" आशय स्पष्ट कीजिये।

   उतर: रेलगाड़ी में सफ़र कर रही वृद्ध से उनके एक सहयात्री ने पूछा कि ये बीज वे मुट्ठी से बाहर क्यों फेंक रही हैं, तो उन्होंने कहा कि इन फेंके हुए फल-फूलों के बीजों में से यदि कुछ जड़ पकड़ लें अर्थात् पौधे बन जाएँ तो उनमें से आये फल-फूल उस जगह के लोगों के उपयोग में आएंगे। वह वृद्ध परहित के कार्य कर रही थी। यह जानकर भी कि इसका लाभ आने वाली पीढ़ी को होगा न कि उसे, वह निःस्वार्थ भावना से यह कार्य सहज रूप में कर रही थी।

पाठ – 3

विद्रोही शक्तिसिंह

- श्री विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(कुमंत्रणा, भाई, बाहें, सुहाग, आकाश)

1. काले बदल ..... में छा गए थे।
   उत्तर: आकाश
2. रना ने अपनी दोनों ..... फैला दीं।
   उत्तर: बाहें
3. महाराणा प्रताप और शक्तिसिंह ..... थे।
   उत्तर: भाई
4. हजारों सुहागिनों के ..... उजड़ गए थे।
   उत्तर: सुहाग
5. मानसिंह की ..... सत्य सिद्ध होने वाली थी।
   उत्तर: कुमंत्रणा

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. शक्तिसिंह कौन था?
   उत्तर: शक्तिसिंह महाराणा प्रताप का छोटा भाई था।
2. शक्तिसिंह ने क्या प्रतिज्ञा की थी?
   उत्तर: शक्तिसिंह ने महाराणा प्रताप के प्राण लेने की प्रतिज्ञा की थी।
3. महाराणा प्रताप से शक्तिसिंह की अनबन क्यों हुई थी?
   उत्तर: महाराणा प्रताप से एक शिकार को लेकर शक्तिसिंह की अनबन हुई थी।

4. शक्तिसिंह का अंतिम निर्णय क्या था?

   उत्तर: शक्तिसिंह का अंतिम निर्णय था, आज मरूँगा या मार के आऊंगा।

5. शक्ति सिंह क्रोध में चित्तौड़ छोड़कर किसके शरण में चला गया?

   उत्तर: शक्ति सिंह क्रोध में चित्तौड़ छोड़कर अकबर के शरण में चला गया।

6. मुगलों और किसके बीच में युद्ध छिड़ गया?

   उत्तर: मुगलों और राजपूतों के बीच में युद्ध छिड़ गया।

7. महाराणा प्रताप के घोड़े का क्या नाम था?

   उत्तर: महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम चेतक था।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. शक्तिसिंह का ह्रदय परिवर्तन कैसे हुआ?

   अपनी मातृभूमि की मर्यादा की रक्षा में अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिए राजपूतों के छत्-विक्षत् शवों को देखकर शक्ति सिंह का ह्रदय परिवर्तन हुआ।

2. मानसिंह की कुमंत्रणा क्या थी?

   उत्तर: मान सिंह की कुमंत्रणा यह थी कि उन्होंने प्रताप के मस्तक से मेवाड़ के राजचिन्ह को उतारकर स्वयं धारण कर लिया, उनके पीछे लग जाएँ और महाराणा प्रताप रणक्षेत्र से कुशल निकल जाएँ।

3. राजपूत बाला की आँखों में चिंगारियां क्यों निकालने लगी?

   उत्तर: शक्तिसिंह ने कहा कि निश्चित ही महाराणा की हार होगी। बाईस हजार राजपूतों को दिनभर में मेरे द्वारा बुलाई गयी मुग़ल सेना काट कर सूखे डंठल की भांति गिरा देगी। सुनकर राजपूत बाला की आँखों से चिंगारियां निकलने लगीं।

4. मन्ना जी ने मेवाड़ का राजचिन्ह अपने मस्तक पर क्यों धारण किया?

उत्तर: मन्ना जी ने महाराणा प्रताप की रक्षा करने के लिए और मुगलों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए राज चिन्ह धारण कर लिया था।

5. युद्ध अथवा उस मारकाट के क्या परिणाम हुए?

   उत्तर: युद्ध अथवा उस मारकाट के परिणाम स्वरुप शक्तिसिंह प्रताप के सामने परास्त हो गया।

6. अगर शक्ति सिंह ने महाराणा प्रताप का पीछा न किया होता तो उसका क्या परिणाम होता?

   उत्तर: यदि शक्तिसिंह ने महाराणा प्रताप का पीछा न किया होता तो महाराणा प्रताप मुग़ल सैनिकों को पराजित कर सकते थे या मुग़ल सैनिक महाराणा प्रताप पर वार कर सकते थे।

7. शक्तिसिंह के पत्नी मोहिनी के भाव समझते हुए उसकी चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

   उत्तर: मोहिनी एक देश भक्त और पतिव्रता नारी थीं। वह अपने पति को भाई पर क्रोध करने पर कहती है क्या आप देशद्रोही बनोगे? उसका हृदय पति की प्रतीक्षा करते हुए विकल रहता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शक्तिसिंह की ऑंखें ग्लानी से क्यों छलछला गईं?

   उत्तर: जब विद्रोही शक्तिसिंह दो मुगल सैनकों के साथ-साथ महाराणा प्रताप का पीछा कर रहे थे तो मार्ग में शव कटे पड़े थे – कहीं भुजा शरीर से अलग पड़ी थी, कहीं धड़ काटा हुआ था, कहीं खून से लथपथ मस्तक भूमि पर गिरा हुआ था। कुछ ही समय में हँसते-हँसते बोलते और लड़ते हुए जीवित पुतले कहाँ चले गए? यह सब देखकर शक्ति सिंह की आँखें ग्लानी से छलछला गईं।

2. पाठ में महाराणा प्रताप और शक्ति सिंह दो चरित्र हैं। दोनों को पढ़ते हुए कौन सा चरित्र आपको आकर्षित करता है? विचार कर लिखिए।

   उत्तर: पाठ में महाराणा प्रताप और शक्तिसिंह दो चरित्र हैं। इसमें हमें शक्तिसिंह का चरित्र आकर्षित करता है. क्योंकि शक्तिसिंह वीर, साहसी, देशभक्त और स्वाभिमानी था। वह अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता था। हृदय परिवर्तन होने के कारण उसने अपने भाई महाराणा प्रताप से क्षमा मांगी।

3. अपने बड़े भाई महाराणा प्रताप से मिलकर शक्तिसिंह जब अपने शिविर में पहुंचा होगा तो उसने अपनी पत्नी को कैसे समझाया होगा? अपनी कल्पना के आधार पर लिखिए।

   उत्तर: अपने बड़े भाई महाराणा प्रताप से मिलकर शक्तिसिंह जब अपने शिविर में पहुंचा होगा तो अपनी पत्नी को बतलाया होगा कि जैसा वह चाह रही थी वैसा ही हुआ। मैंने अपनी गलती का एहसास कर प्रताप से प्रतिशोध की इच्छा को त्यागकर अपनी माता व मातृभूमि के रक्षक उनसे माफ़ी मांग ली है। मेरा हृदय परिवर्तन मातृभूमि पर न्यौछावर होने वाले उन हजारों राजपूतों के छत्-विक्षत् शवों को देखकर हुआ।

4. हल्दी घाटी कहाँ पर है और क्यों प्रसिद्ध है?

   उत्तर: हल्दी घाटी राजस्थान का एक ऐतिहासिक स्थान है, जहाँ महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की लाज बचाए रखने के लिए अनेक युद्ध लड़े और अपनी वीरता का प्रदर्शन किया। उदयपुर से 27 मील दूर पश्चिम में हल्दी घाटी स्थित है। यही सम्राट अकबर की मुग़ल सेना का महाराणा प्रताप तथा उनकी राजपूत सेना में 18 जून, 1576 को भीषण युद्ध हुआ। इस युद्ध में मुग़ल सेना की भारी क्षति हुई। यह युद्ध अनिर्णायक रहा।

पाठ – 4

मौसी

- श्री भीष्म शाहनी

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(हेडमास्टर, भाग, मौसी, लैम्प, नीम)

6. उसे सब ..... कहकर पुकारते थे।
   उत्तर: मौसी
7. खाट को बच्चे सीधे .... के पेड़ के नीचे ले आये।
   उत्तर: नीम
8. गोपाल अपने घर से .... उठा लाया।
   उत्तर: लैम्प
9. मौसी को अगर अकेला छोड़ा तो वह ..... जाएगी।
   उत्तर: भाग
10. स्कूल में ही ..... जी ने उसे काम पर रख लिया।
    उत्तर: हेडमास्टर

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र. 1 किसी के घर बच्चा बीमार होता तो किसे बुलाया जाता था?

उत्तर: कसी के घर बच्चा बीमार होता तो मौसी को बुलाया जाता था।

प्र. 2 चंदू की बहिन की शादी में मौसी दिनभर क्या कर रही थी?

उत्तर: चंदू की बहिन की शादी में मौसी दिनभर दुल्हन की हथेलियों पर मेहंदी लगा रही थी।

प्र. 3 बच्चों को मौसी ने क्या दिखाने की बात कही?

उत्तर: बच्चों को मौसी ने सितारों जड़ा आसमान दिखाने के बात कही।

प्र. 4 रोज दोपहर ढलने पर मौसी कहाँ बैठती थी?

उत्तर: रोज दोपहर ढलने पर मौसी नीम के पेड़ के नीचे बैठती थी।

प्र. 5 बच्चे मौसी का दामन कब छोड़ते थे?

उत्तर: बच्चे मिडिल स्कूल में जाने लगते तब मौसी का दामन छोड़ते थे।

प्र. 6. नीम के पेड़ तले बच्चे क्या करते थे?

उत्तर: नीम के पेड़ तले बच्चे खेला करते थे।

प्र. 7. स्कूल की प्याऊ में मौसी क्या करती है?

उत्तर: स्कूल के प्याऊ में मौसी बच्चों को पानी पिलाती है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र. 1. मौसी अचानक गायब क्यों हो गयी?

उत्तर: मौसी अचानक गायब इसलिए हो गई क्योंकि वह बीमार हो गई थी।

प्र. 2. मौसी के न रहने पर मोहल्ला कैसा लग रहा था और क्यों?

उत्तर: मौसी के न रहने पर मोहल्ला बड़ा खाली-खाली और सूना लग रहा था। क्योंकि मौसी का कई दिनों से कुछ पता नहीं चल रहा था।

प्र. 3. बच्चों को मौसी ने सितारों जड़ा आसमान कैसे दिखाया?

उत्तर: मौसी एक दिन नीले रंग के पल्ले पर झिलमिलाते सितारे ताक रही थी। मौसी ने बच्चों के सामने वही सितारों जड़ा पल्ला बिछा दिया जो सचमुच आसमान में जड़े सितारों सा प्रतीत हो रहा था।

प्र. 4 मौसी पुल पर बैठकर क्यों रो रही थी?

उत्तर: मौसी गॉव छोड़कर जा रही थी इसलिए पुल के पास बैठकर रो रही थी।

प्र. 5. लड़कों ने मौसी के लिए क्या-क्या किया?

उत्तर: लड़कों ने मौसी के लिए तकिया, दरी, लैम्प, दूध और जो भी जरूरी समझा किया तथा उसके इलाज़ की व्यवस्था की, जिससे जो बन पड़ा सबने किया।

प्र. 6. मैं बूढी हूँ न, अब फिर से जवान होकर मैं आऊंगी। मौसी ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर: क्योंकि मौसी बीमार हो गयी थी, उन्होंने सोचा होगा शायद अब नहीं बचेगी इसलिए ऐसा कहा होगा।

प्र. 7. नन्हें बच्चे मौसी का दामन कब छोड़ते थे?

उत्तर: जब बच्चे बड़े हो जाते, छोटे स्कूल को छोड़कर मिडिल सकूल में जाने लगते तो मौसी का दामन छोड़ते थे।

दीर्घ लघुत्तरीय प्रश्न

प्र. 1 इन वाक्यों को देखें-

i. मौसी प्रतिदिन बच्चों को कहानियां सुनाती थी।

ii. उसे भरपेट भोजन मिल पाता था।

दोनों पद सामाजिक शब्द हैं जो अव्ययी भाव समास के उदहारण हैं। इस समास का पहला पद प्रधान होता है और समस्त पद अव्यय बन जाता है। जैसे-

हाथों-हाथ, बेशक-शक के बिना, निडर-दर के बिना। इसी प्रकार चार अव्ययी भाव समास लिखिए-

उत्तर: 1. कुशलक्षेम – कुशलता पूर्वक

2. यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार

3. आजन्म – जन्मभर

4 प्रतिदिन – हर एक रोज

प्र. 2 आँखों से जुड़े हुए बहुत सारे मुहावरे प्रचलित हैं, उन्हें खोजकर अर्थ लिखो-

उत्तर: 1. आँखें भर आना – आँखों से आंसू आना

2. आँखों से गिरना – लोगों द्वारा इज्जत न पाना

3. आँखों का तारा – बहुत प्यारा

4. आँखें फाड़कर देखना – आश्चर्य से देखना
5. आँखें डबडबा आना – दुःख से आँखों में आंसू आना।

प्र. 3 "क्या, क्यों, कैसे, कब, कहाँ" का प्रयोग करते हुए वाक्यों का निर्माण कीजिये।

उत्तर: 1. परिश्रम से क्या लाभ है?
2. तुम यहाँ क्यों बैठी हो?
3. सफलता कैसे प्राप्त की जाती है?
4. तुम कब आओगे?
5. वह कहाँ जा रहा है?

प्र. 4 किसने, किससे कहा?

a. "आओ, तुम्हें सितारों जड़ा आसमान दिखाऊँ"
उत्तर: मौसी ने बच्चों से कहा।
b. "उस गरीब से लेकर क्यों खाते हो?"
उत्तर: लेखक की मां ने लेखक से कहा।
c. "मैं मौसी हूँ, यही मेरा नाम है"
उत्तर: मौसी ने बच्चों से कहा।
d. "मैं बूढी हूँ न बेटे, अब मैं फिर से जवान होकर आऊंगी"
उत्तर: मौसी ने बच्चों से कहा।
e. "अब मैं मर भी जाऊं को तुम लोगों को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगी"
उत्तर: मौसी ने बच्चों से कहा।

प्र. 5 मौसी के चरित्र में ऐसी क्या विशेषता थी, जिसके कारण बच्चे उससे हिल-मिल गए थे?

उत्तर: मौसी का जीवन जन-जागरण के लिए अर्पित था। वे दूसरों के कार्यों में हाथ बंटाती, मोहल्ले के बच्चों को कहानियां सुनाती थी, उन्हें खाने के लिए चीजें भी देती थी। वस्तुतः वे उन सभी बच्चों को अपने सगे बच्चे सदृश ही सच्चा प्यार-दुलार करती थी; इसी कारण से बच्चे उससे इतने हिल-मिल गए।

पाठ – 5

सरद रितु आ गे

- पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र'

प्र.1 सही जोड़ी बनावव-

a. जगजगले	-	कमल फूल
b. हरियर-हरियर	-	भौरा
c. रिगबिग ले	-	पिरथी माता
d. गुनगुन-गुनगुन	-	चिरई-चुरगुन
e. चुहुल-पुहुल	-	चंदा

उत्तर:

a. जगजगले	-	चंदा
b. हरियर-हरियर	-	पिरथी माता
c. रिगबिग ले	-	कमल फूल
d. गुनगुन-गुनगुन	-	भौरा
e. चुहुल-पुहुल	-	चिरई-चुरगुन

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. सरद रितु कब आथे?
   उत्तर: चौठमास के पाछु सरद रितु आथे।
2. कमल फुल कहाँ छतरागे?
   उत्तर: कमल फुल तरिया म छतरागे।
3. जगजग ले का उथे?
   उत्तर: जगजग ले चंदा उथे।

4. पिरथी माता कईसन दिखत हे?
   उत्तरः पिरथी माता हरियर-हरियर दिखत हे।
5. का हा फरियर दिखत हे?
   उत्तरः बादर ह फरियर दिखत हे।
6. नदिया अऊ तरिया के पानी ह कईसे होवत हे?
   नदिया अऊ तरिया के पानी ह कमती होवत हे।
7. लक्ष्मी ल लहुटारे खातिर कोन अगुवाईस?
   उत्तरः लक्ष्मी ल लहुटारे खातिर जल देवता अगुवाईस।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. 'अकास अऊ चांउर सही छरागे' के का अर्थ हे?
   उत्तरः 'अकास अऊ चांउर सही छरागे' के अर्थ हे कि अकास म घना करिया बादर ह नई दिखथे, अऊ अकास बिलकुल चाउर जैसे उज्जर दिखथे।
2. नदियां अउ तरिया के पानी काबर कमती होय लागिस?
   उत्तरः चउमास के पाछु बरसा रितु ख़तम होवत ही मौसम ह गरम होवन लगथे अउ नंदिया अउ तरिया के पानी ह घलो कम होवन लगथे।
3. लक्ष्मी ल लहुटारे खातिर जल-देवता ह का-का उदिम करिस?
   उत्तरः लक्ष्मी ल लहुटारे खातिर जल-देवता अगुवाईस, फेर तरिया के दसना दसवाईस।
4. तुंहर सोच से कोण से रितु ह सबले सुघ्घर होथे? अपन विचार लिखव।
   उत्तरः हमर सोच से सरद रितु ह सबले सुघ्घर होथे, ये समय म पिरथी हरियर दिखथे, मौसम घलो साफ़ रहिथे, थोड़-थोड़ जाड़ पड़थे, एखर बार सुघ्घर लगथे।
5. सरद रितु के आय ले चिरई चिरगुन अऊ भौंरा अपन ख़ुशी ल कईसे परगट करत हवय?
   उत्तरः सरद रितु के आय ले चारों खुंट म चिरई-चिरगुन मन एती-ओती चुहुल-पुहुल करथें अऊ भौंरा घलो ह बईहा होक गुन-गुन करथें।

6. कवि ह अनपूरना कला केहे हे? अऊ काबर केहे हे?

   उत्तर: कवि ह अनपूरना खेत म जागे अनाज के फसल ल केहे हे। अनपूरना के माने अन्न के देवी होथे। काबर कि अन्न के बिना कोनो परानी जीए नई सके। अनपूरना ह जीवन दायिनी आय।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कविता के आधार ले सरद रितु के सुन्दरता के वर्णन करव।

   उत्तर: चउमास के पाछु सरद रितु आथे। सरद रितु में अकास ह चाऊर सही छरा जाथे। साफ़ दिखथे। बादर फरियर हो जाथे। रात कुन अकास म चंदा, जगजग ले उगथे। पिरथी माता ह चारों खूंट ले हरियर-हरियर दिखथे। रिग-बिग ले अनपूरना ह हर खेत म छा जाथे। सरद रितु म तरिया भर में पुराईन पान अउ कमल फूल खिल जाथे। चिरई-चिरगुन मन ह चारों खुंट चुहुल-पुहुल करथे अउ भौंरा ह बइहा होके गुनगुन करथे। ये सब मन ह सरद रितु के सुन्दरता ल परगट करथें।

2. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

   नंदिया अउ तरिया के पानी, कमती होये लागिस। रद्दा के चउमास के चिखला, झंझटहा हर भागिस। बने पेट भर पानी पी के, पिरथी आज अघागे।

   सन्दर्भ: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'छत्तीसगढ़ भारती' के 'सरद रितु आ गे' पाठ से लिया गया है। इसके कवि पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' जी हैं।

   प्रसंग: इस पद्यांश में कवि धरती पर शरद ऋतु के प्रभाव का चित्रण किया है।

   व्याख्या: कवि कहते हैं कि शरद ऋतु का आगमन होने पर नदी और तालाब का पानी धीरे-धीरे कम होने लगा है। बरसात के कारण रास्तों में उत्पन्न कीचड़ अब समाप्त हो गया है। अब राहगीरों को कोई परेशानी नहीं होती। वर्षा ऋतु में पर्याप्त वर्षा होने के कारण पृथ्वी तृप्त हो गई है।

3. निम्नलिखित पद्यांशों के सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

लक्ष्मी ला लहुटारे खातिर जल-देवता अगुवाईस।
तब जगजग ले पुरइन पाना के दसना दसवाइस।।

सन्दर्भ: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'छत्तीसगढ़ भारती' के 'सरद रितु आ गे' पाठ से लिया गया है, इसके कवि श्री द्वारिका तिवारी 'विप्र' जी हैं।

प्रसंग: प्रस्तुत पद्यांश में कवि न ने धरती पर शरद ऋतु के प्रभाव का चित्रण किया है।

व्याख्या: शरद ऋतु का आगमन होने पर तालाबों में कमल खिल गए हैं, कमल के पत्ते सुन्दर जल पर फैले हुए हैं। इन्हें देखकर ऐसा लग रहा है जैसे जल के देवता लक्ष्मी जी को वापस लाने के लिए आगे आये और उन्होंने उनके विश्राम करने के लिए जल पर कमल के पत्तों का सुन्दर बिस्तर लगवा दिया है। फिर उन्हीं के स्वागत के लिए तालाब के जल में सघनता के साथ कमल के सुन्दर फूल खिल गए।

पाठ – 6

सदाचार का तावीज

- श्री हरिशंकर परसाई

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(विशेषज्ञों, सर्वव्यापी, सदाचार, प्रजा, राजा)

1. राज्य में हल्ला मचा कि ..... बहुत फ़ैल गया है।
   उत्तर: भ्रष्टाचार
2. राजा ने दरबारियों से कहा कि ..... बहुत हल्ला मचा रही है।
   उत्तर: प्रजा
3. ..... ने उसी दिन से छानबीन शुरू कर दी।
   उत्तर: विशेषज्ञों
4. वह सूक्ष्म है और..... है।
   उत्तर: सर्वव्यापी
5. तुम आज ..... का तावीज नहीं बंधकर आये।
   उत्तर: सदाचार

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. राजा को आज तक क्या नहीं दिखा?
   उत्तर: राजा को आज तक भ्रष्टाचार नहीं दिखा।
2. दरबारी के अनुसार भ्रष्टाचार कैसा होता है?
   उत्तर: दरबारी के अनुसार भ्रष्टाचार बहुत बारीक होता है।
3. राजा ने विशेष जाति के कितने आदमी बुलवाए?
   उत्तर: राजा ने विशेष जाति के पांच आदमी बुलवाए।
4. विशेषज्ञों की बात सुनकर कौन चिंतित हुआ?

उत्तर: विशेषज्ञों की बात सुनकर राजा चिंतित हुए।

5. चिंता के कारण किसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा?

   उत्तर: चिंता के कारण राजा का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा।

6. दरबारियों ने राजा के सामने किसको पेश किया?

   उत्तर: दरबारियों ने राजा के सामने एक साधू को पेश किया।

7. साधू ने झोले से निकलकर राजा को क्या दिया?

   उत्तर: साधू ने झोले से निकालकर राजा को तावीज दिया।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार के बारे में राजा को क्या बताया?

   उत्तर: विशेषज्ञों ने राजा को बताया कि भ्रष्टाचार हाथ की पकड़ में नहीं आता। वह स्थूल नहीं सूक्ष्म है। उसे देखा नहीं जा सकता।

2. भ्रष्टाचार मिटाने की योजना पढ़ने के बाद राजा की तबियत क्यों खराब रहने लगी?

   उत्तर: भ्रष्टाचार मिटाने की योजना पढ़ने के बाद राजा ने उस पर विचार करते-करते दिन बीतने लगे, रात की नींद उड़ गई, जिससे राजा की तबियत खराब रहने लगी।

3. साधु ने राजा को भ्रष्टाचार के बारे में क्या बताया?

   उत्तर: साधू ने राजा को भ्रष्टाचार के बारे में बताया कि सदाचार या भ्रष्टाचार मनुष्य की आत्मा से होता है, बाहर से नहीं होता। आत्मा की पुकार के अनुसार ही आदमी काम करता है।

4. घूस देकर फेल हो जाना को सही मानते हो या गलत, तर्क पूर्ण उत्तर लिखिए।

   उत्तर: पास फेल के सबंध में घूस का प्रश्न नहीं होना चाहिए, ऐसा मेरा मानना है। हमें अपने कर्तव्य पर पूरी निष्ठा से कर्मठ रहना चाहिए। ऐसा करने पर सफलता अवश्य ही मिलती है।

5. राजा ने भ्रष्टाचार की तुलना ईश्वर से क्यों की?

उत्तर: क्योंकि विशेषज्ञों ने बताया कि भ्रष्टाचार सूक्ष्म है और सर्वव्यापी है, परन्तु ये गुण तो ईश्वर में होते है। इसलिए भ्रष्टाचार की तुलना ईश्वर से की है।

6. क्या तावीज जैसे साधनों से भ्रष्टाचार ख़त्म किया जा सकता है?

   उत्तर: तावीज जैसे साधनों से भ्रष्टाचार ख़त्म नहीं किया जा सकता क्योंकि मनुष्य अपनी मन की करता है, वह परेशानियों की वजह से ही भ्रष्टाचारी होता है तावीज जैसे साधन अंध विश्वास को बढ़ावा देना है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. हमारे देश अथवा राज्य में भ्रष्टाचार फैलने के क्या कारण आपको प्रतीत होते है?

   उत्तर: हमारे देश अथवा राज्य में भ्रष्टाचार फैलने का मुख्य कारण आदमियों की आवश्यकताएँ हैं, क्योंकि आदमी उच्च पद पर बैठकर भी किसी काम को सफलता पूर्वक नहीं करता। कुछ लोग काम करवाने के लिए रुपयों का प्रलोभन देकर जल्द ही करवा लेते हैं। आदमी की जल्दबाजी ही भर्ष्टाचार फैलने का कारण है।

2. राजा ने तावीज के प्रभाव को परखने के लिए क्या किया?

   उत्तर: राजा तावीज के प्रभाव को परखने के लिए वेश बदलकर एक कार्यालय में गए। उस दिन दो तारीख थी। एक दिन पहले ही तनख्वाह मिली थी। वह एक कर्मचारी के पास गए और किसी काम के लिए पांच रुपये का नोट देने लगे। कर्मचारी ने उन्हें डांटा और भाग जाने के लिए कहा, यहाँ घूस लेना पाप है। राजा खुश हुए। कुछ दिन बाद फिर वेश बदलकर उसी कर्मचारी के पास गए। उस दिन इकत्तीस तारिख थी। राजा ने फिर उसे पांच रुपये का नोट दिखाया और उसने लेकर जेब में रख लिया। राजा ने उसका हाथ पकड़कर पूछा क्या तुमने आज सदाचार की तावीज नहीं पहनी है।

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और अपने वक्यों में प्रयोग कीजिये-

a. छानबीन करना = जांच पड़ताल करना

वाक्य: अरे मोहन! आज पुलिस किसके बारे में छानबीन कर रही थी?

b. खलल पड़ना = बाधा आना।

वाक्य: मेरे यहाँ रहने से तुम्हारे कार्य में खलल पड़ रहा है क्या?

c. हवाले करना = सुपुर्द करना या सौंपना

वाक्य: लोगों ने उस चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

d. उलटफेर = परिवर्तन / बदलाव

वाक्य: अब पाठ्यक्रम में अधिक उलटफेर संभव नहीं।

e. असमंजस में पड़ना = दुविधा में होना

वाक्य: मोहन ने पढ़ाई से इनकार कर दिया तो उनके माता-पिता असमंजस में पड़ गए.

4. शरीर के अंगों पर मुहावरे बने हैं, उसे लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

a. मुंह की खाना – पराजित होना

वाक्य: भारतीय सेना से पाकिस्तानी सेना कई बार मुंह की खा चुकी है

b. आँख दिखाना – डराना / धमकाना

वाक्य: मुझ पर तुम्हारे आँख दिखाने से कोई असर होने वाला नहीं है।

c. नाक रगड़ना – गिड़गिड़ाना / विनती करना

वाक्य: अब नाक रगड़ने से क्या फायदा गलती किये हो तो दण्ड भुगतना ही पड़ेगा।

d. दांत खट्टे करना – परास्त करना

वाक्य: रानी दुर्गावती ने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे।

e. कान पकड़ना – माफ़ी मांगना

वाक्य: मैं कान पकड़कर कहता हूँ कि भविष्य में पुनः गलती नहीं करूँगा।

पाठ – 7

रात का मेहमान

- संकलित

प्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखिए-

i. चन्द्र शेखर आजाद थे-

a. प्रधानमन्त्री b. राष्ट्रपति

c. क्रांतिकारी d. मुख्यमंत्री

उत्तर: c. क्रांतिकारी

ii. क्रांतिकारियों ने पहला धमाका किया-

a. 15 अगस्त 1947 b. 26 जनवरी 1950

c. 1 नवम्बर 2000 d. 9 अगस्त 1925

उत्तर: d. 9 अगस्त 1925

iii. हाथ में पकड़कर आजाद चल रहे थे-

a. बन्दूक b. अटैची

c. लाठी d. तलवार

उत्तर: b. अटैची

iv. अचानक बुधिया को दौरा उठा-

a. खांसी b. मिर्गी

c. हृदय d. हंसी

उत्तर: a. खांसी

v. कल्पना किस विषय में एम. ए. कर रही थी-

a. अंग्रेजी b. हिंदी

c. राजनीति शास्त्र d. संस्कृत

उत्तर: d. संस्कृत

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. क्रांतिकारियों ने क्या लूट लिया?
   उत्तर: क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाना लूट लिया।
2. क्रांतिकारियों को पकड़ने के लिए ब्रिटिश सरकार ने किसे आदेश दिया?
   उत्तर: क्रांतिकारियों को पकड़ने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गुप्तचरों को आदेश दिया।
3. क्रांतिकारियों के सेनापति कौन थे?
   क्रांतिकारियों के सेनापति चंद्रशेखर आजाद थे।
4. पुलिस को चकमा देने के लिए आजाद कहाँ उतर गए?
   उत्तर: पुलिस को चकमा देने के लिए आजाद बीच में ही उतर गए।
5. कल्पना कितने रूपये की मासिक ट्यूशन करती है?
   उत्तर: कल्पना 20 (बीस) रु. की मासिक ट्यूशन करती है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. चंद्रशेखर आजाद के बारे में आप क्या जानते हैं?
   उत्तर: चंद्रशेखर आजाद एक क्रांतिकारी, देशभक्त व्यक्ति थे। उनमें करुणा और दया की भावना कूट-कूटकर भरी थी। वे अंग्रेजों को चकमा देना चाहते थे।
2. क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त की रात क्या किया?
   उत्तर: क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त 1925 की रात को लखनऊ के निकट काकोरी में पहला धमाका किया और सरकारी खजाना लूट लिया।
3. मजिस्ट्रेट द्वारा पूछे जाने पर चंद्रशेखर आजाद ने अपना क्या परिचय दिया?

चंद्रशेखर आजाद ने मजिस्ट्रेट के द्वारा पूछने पर अपना परिचय दिया-

नाम – आजाद

पिताजी का नाम – स्वतंत्रता

निवास – जेलखाना

4. आजाद का अपराध जानने के बाद वृद्ध स्त्री के मन में आजाद के प्रति क्या भाव उत्पन्न हुए?

   उत्तर: आजाद का अपराध जानने के बाद वृद्ध स्त्री के मन में आजाद के प्रति भक्ति और सम्मान के भाव उत्पन्न हुए।

5. अगर वह स्त्री चंद्रशेखर आजाद के बारे में पुलिस को सूचना दे देती तो क्या होता?

   उत्तर: अगर बुधिया चंद्रशेखर आजाद के बारे में पुलिस को सूचना दे देती तो पुलिस आती और चंद्रशेखर आजाद के साथ युद्ध होता फिर चद्रशेखर आजाद चकमा देकर निकल जाते या फिर अपना बलिदान दे देते।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. चंद्रशेखर आजाद की जगह आप होते / होती तो रुपयों से भरे ब्रीफकेस का क्या करते?

   उत्तर: किसी भी सहृदय भारतीय का वृद्धा और उसकी पुत्री की आर्थिक दशा पर दुखी होना संभव था। मैं भी सहृदय हूँ। गरीबों की आर्थिक पीड़ा का मुझे अनुभव है। मैं वह ब्रीफकेस लड़की कल्पना को दे देता। वृद्धा ने अपनी जान पर खेलकर मेरी रक्षा की थी, इसलिए प्रत्युत्तर में ब्रीफकेस दे देना कोई बड़ी बात नहीं है।

2. बुजुर्ग स्त्री के पूछे जाने पर आजाद ने अपना क्या अपराध बताया आपकी नजर में क्या यह अपराध था?

3. बुजुर्ग स्त्री के पूछे जाने पर आजाद ने बताया, मेरा अपराध देश-भक्ति है। मैं किसी भारतीय को रोटी, कपड़ा और मकान के लिए दर–दर भटकते नहीं

देख सकता। अंग्रेजी शासन अब सहन नहीं होता। भारत माँ के पैरों में पड़ी बेड़ियों को तोड़ने का संकल्प लिया है मैंने। बस, यही मेरा अपराध है।

4. आजाद का अपराध जानने के बाद वृद्ध स्त्री के मन में आजाद के प्रति क्या भाव उत्पन्न हुए?

   उत्तर: आजाद का अपराध जानने के बाद वृद्ध स्त्री के मन में विचार आया कि धन्य है, इसका संकल्प। धन्य है वह माँ, जिसकी कोख ने ऐसा लाल जन्मा। इसके दर्शन पाकर मैं धन्य हो गयी।

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

   तिल का ताड़, लोहा लेना, चकमा देना, गुजर-बसर होना

   उत्तर: तिल का ताड – छोटी से बात को बहुत बड़ा करके बताना

   वाक्य- हमें किसी बात का तिल का ताड नहीं बनाना चाहिए।

   लोहा लेना – मुकाबला करना

   वाक्य – रानी लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों से लोहा लिया।

   चकमा देना - चतुराई के साथ निकल जाना, धोखा देना।

   वाक्य – चोर, पुलिस को चकमा देकर भाग गया।

   गुजर-बसर होना – जीवन निर्वाह होना

   वाक्य – मोहन के पिताजी की गुजर-बसर मजदूरी करके होती है।

पाठ – 8

भिखारिन

- गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(दयालू, झोपड़ी, लाल रंग, मंदिर, हांडी)

1. अंधी प्रतिदिन ..... के दरवाजे पर जाकर खड़ी होती थी।
   उत्तर: मंदिर
2. मंदिर में आने वाले सहृदय और ..... हुआ करते हैं।
   उत्तर: दयालु
3. उसकी ..... नगर से बाहर थी।
   झोपड़ी
4. ..... लगभग पूरी भर गयी थी।
   उत्तर: हांडी
5. मोहन की जांच पर ..... का चिन्ह था।
   उत्तर: लाल रंग

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. अंधी भिखारिन प्रतिदिन कहाँ जाकर खड़ी होती थी?
   उत्तर: अंधी भिखारिन प्रतिदिन मंदिर के दरवाजे पर जाकर खड़ी हो जाती थी।
2. दिव्यांग भिखारिन प्रतिदिन मंदिर पर जाकर क्यों खड़ी हो जाती थी?
   उत्तर: दिव्यांग भिखारिन प्रतिदिन मंदिर के दरवाजे पर जाकर भीख मांगने के लिए खड़ी हो जाती थी।
3. सुबह से शाम तक दिव्यांग भिखारिन मंदिर में क्या करती थी?
   उत्तर: सुबह से शाम तक दिव्यांग भिखारिन मंदिर में हाथ फैलाए खड़ी रहती थी।
4. अंधी ने अपनी झोपड़ी में क्या गाड़ रखी थी?
   उतर: अंधी ने अपनी झोपड़ी में हांडी गाड़ रखी थी?
5. सेठ जी ने मोहन को कैसे पहचाना?

उत्तर: मोहन की जांघ पर बचपन के लाल चिन्ह को देखकर सेठजी ने मोहन को पहचाना।

6. झोपड़ी के समीप पहुँचते ही वह दिव्यांग भिखारिन किसे अपने हृदय से लगा लेती थी?

   उत्तर: झोपड़ी के समीप पहुँचते ही वह दिव्यांग भिखारिन एक बच्चे को अपने हृदय से लगा लेती थी।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. दिव्यांग स्त्री सेठ जी के पास अपनी हांडी जमा करने को लेकर परेशान क्यों थी?

   उत्तर: दिव्यांग स्त्री सेठ जी के पास अपनी हांडी जमा करने को लेकर परेशान थी कि कहीं उसके साथ कोई धोखा न हो जाये। उसे सेठ की नियत पर यकीन नहीं होने के कारण परेशान थी।

2. सेठ जी की धर्मात्मा छवि भिखारिन के मन में कब टूट गयी?

   उत्तर: जब भिखारिन अपनी जमा पूँजी वापस लेने जाती है तब सेठजी उसकी भीख से संचित धन को लौटाने में छल करता है। तब भिखारिन के मन में सेठ जी की धर्मात्मा छवि टूट गयी।

3. हम धार्मिक स्थानों या अन्य जगह देखते हैं कि लोग भीख क्यों मांगते हैं?

   उत्तर: लोग भीख इसलिए मांगते हैं कि वे बेबस, लाचार, असहाय एवं अपाहिज होते हैं, वे कुछ काम नहीं कर पाते।

4. तुम्हारा बच्चा है इसलिए लाख यत्न करके भी उसे बचाओगे, मेरा बच्चा होता तो उसे मर जाने देते, क्यों?

   उत्तर: जब सेठ जी बच्चे को नहीं जानता था तब वह भिखारिन को उसके द्वारा जमा पूँजी को भी लौटाने में छल करने लगा, परन्तु जब उसे पता चला कि वह उसका ही बच्चा है तो उसे रोगमुक्त करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो गया।

5. पाठ में लिखा है कि सेठ और भिखारिन दोनों की एक ही दशा थी। आप विचार कर लिखिए कि दोनों की यह दशा क्यों थी?

   उत्तर: दोनों की यह दशा इसलिए थी कि मोहन सेठ जी का अपन बच्चा था और सात वर्षों से भिखारिन ने उसका पालन-पोषण बड़ी ममता के साथ किया था। वह बच्चा बहुत ही ज्यादा बीमार हो गया था।

6. कहानी के दोनों प्रमुख पात्रों के चरित्रों में से आपकी दृष्टी में महत्वपूर्ण कौन है?

   उत्तर: कहानी के दोनों प्रमुख चरित्रों में से महत्वपूर्ण भिखारिन है। एक बेटे के रूप में मोहन भिखारिन को अधिक चाहता हैक्योंकि भिखारिन होते हुए भी उस पालित बच्चे का वह बहुत ख़याल रखती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए-

   a. झोपड़ी के समीप पहुँचते ही एक दस वर्ष का लड़का उछलता-कूदता आता है और उससे लिपट जाता है। अंधी टटोलकर उसके मस्तिष्क को चूम लेती है।

      सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक छत्तीसगढ़ भारती के 'भिखारिन' पाठ से लिया गया है, इसके कहानीकार गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर जी हैं।

      प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने माता व पुत्र के वात्सल्य का स्वाभाविक चित्रण किया है।

      व्याख्या- लेखक ने स्पष्ट किया है कि जब वह बुधिया भीख मांगकर अपनी झोपड़ी के पास पहुँचती है, तो उसका वह दस वर्ष का लड़का उछलता-कूदता उसके पास आकार उसके हृदय से लिपट जाता है। वह अंधी मां टटोलकर अपने पुत्र के मस्तिष्क को चूम लेती है।

   b. उसके नेत्रों से अश्रू बह रहे थे, किन्तु वह भिखारिन होते हुए भी सेठ से महान थी। इस समय सेठ याचक था और वह दाता थी।

सन्दर्भ- पूर्ववत्

प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने माँ की ममता के हृदय की विशालता का चित्रण किया है।

व्याख्या- लेखक कहते हैं कि वह अंधी भिखारिन होते हुए भी महान थी। जब अंधी भिखारिन सेठ के खोए हुए पुत्र को उसे सौंप अपनी झोपड़ी के लिए चलने लगी, तो उसकी आँखों से अश्रू की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी, पुत्र वियोग से उनका हृदय व्याकुल था, लेकिन भिखारिन होकर भी उसने सेठ को दाता बनकर उसके पुत्र को सौंपा। आज वह महान थी, क्योंकि आज वह अपना प्रेमधन (पुत्र) सौंप रही थी और भिखारी बने नगर सेठ उसके सामने पुत्र-प्रेम की याचना कर रहे थे।

पाठ – 9

त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारे लाल

- लेखक मंडल

प्र.1 खाली स्थान में सही शब्द चुनकर भरिये-

6. ठाकुर साहेब ल छत्तीसगढ़ के ..... म घलो गिने जाथे। (धनि पुरुष / युग पुरुष)
   उत्तर: युग पुरुष
7. सन् 1933 से 1937 तक ठाकुर प्यारेलाल सिंह महाकोशल प्रान्त कांग्रेस कमेटी के ..... रिहिस। (सचिव / अध्यक्ष)
   उत्तर: सचिव
8. डॉ. खरे के मंत्री मण्डल म ठाकुर साहेब ..... बनिन। (शिक्षामंत्री / वित्त मंत्री)
   उत्तर: शिक्षामंत्री
9. खादी के महत्तम के प्रचार करे बर ठाकुर साहेब ह खुद चरखा .....। (चालावंय / बनावंय)
   उत्तर: चालावंय
10. ठाकुर साहेब ..... आन्दोलन म शामिल हो गिन। (स्वदेशी / विदेशी)
    उत्तर: स्वदेशी

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 दुरलभ पुरुष कोन केहे गे हे?

उत्तर: दुरलभ पुरुष ठाकुर प्यारेलाल ल केहे गे हे।

प्र.2 ठाकुर प्यारे लाल ल छत्तीसगढ़ के युग पुरुष म गिने जाथे।

उत्तर: किसान मजदूर, बनिहार के रक्षा बर ठाकुर प्यारेलाल मन काकर संग लड़ाई लड़ीन?

उत्तर: किसान, मजदूर, बनिहार के रक्षा बर ठाकुर प्यारे लाल मन अंग्रेजी सरकार संग लड़ीन।

प्र.4 ठाकुर प्यारेलाल सिंह के बिहाव कतका साल म होईस?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल सिंह के बिहाव 16 साल म होईस।

प्र.5 ठाकुर प्यारे लाल सिंह के लुगाई के का नाम रिहिस हे?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल सिंह के लुगाई के नाम गोमती देवी रिहिस हे।

प्र.6 ठाकुर साहेब पढ़िय लइका मन के टोली बना के का के नारा लागावंय।

उत्तर: ठाकुर साहेब पढ़िय लइका मन के टोली बना के 'वंदे मातरम' के नारा लागावंय।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. ठाकुर प्यारेलाल सिंह के माता-पिता के नांव बतावव।

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल सिंह के माता के नांव श्रीमती नरमदा देवी अउ पिता के नांव ठाकुर भगवान् सिंह रिहिस।

2. ठाकुर प्यारेलाल सिंह के जनम कब अउ कहाँ होय रिहिस?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल सिंह के जनम 21 दिसंबर 1891 में राजनंदगाँव के दईहान गाँव में होय रिहिस।

3. ठाकुर साहेब ह कहाँ-कहाँ शिक्षा प्राप्त करिन लिखव।

उत्तर: ठाकुर साहब ह रायपुर, नागपुर अउ इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त करिन।

4. ठाकुर प्यारेलाल सिंह ह वकालत ल समाज सेवा के रद्दा कैसे बनाइस?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल सिंह वकालत ल समाज सेवा के रद्दा बनाइन। ओमन गरीब अउ कमजोर मनखे ल नियाव देवाय बर खूबेच कार्य करिन।

5. ठाकुर प्यारेलाल ह पढ़ाई में बाधा आय के आयु में पढ़ाई कइसे करिस?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल ह बी.ए. के परीक्षा पास करके इलाहाबाद विश्वविद्यालय 1916 में वकालत के परीक्षा घलो पास करिन।

6. ठाकुर प्यारेलाल स्वदेशी भावना ल राजनांदगाँव के संगे-संग तीर तखार के गाँव म घलो राष्ट्रीय चेतना के विस्तार करिन। एकर से जनता में घलो राष्ट्रीय एकता अउ राष्ट्रीय चेतना के परती समरपन के प्रभाव पड़ीस।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भूदान के का मतलब होथे, अउ प्यारेलाल सिंह के भूदान आन्दोलन म का योगदान रहिस? लिखव।

उत्तर: भूदान आन्दोलन के मतलब हे भूमिहीन खेतिहर, मजदूर ल भू-स्वामी बनाना। भूदान आन्दोलन म ठाकुर प्यारेलाल सिंह ह सिपाही के जैसे काम करिन। ओमन जेन गाँव म जावंय उहाँ मालगुजार अउ बड़े किसान मन अपन जमीन के हिस्सा दान कर देवंय।

2. छत्तीसगढ़ राज के निरमान खातिर जुझईया नेता ठाकुर प्यारेलाल सिंह कबर कहे गे हे?

उत्तर: ठाकुर प्यारेलाल छत्तीसगढ़ के किसान बनिहार मन ल सकल के उंकर अधिकार के रक्षा पर अंग्रेजी सरकार के संग लड़ाई लड़ीन अउ कई बार जेल गईंन। आजादी मिले के पाछु वो मन राजकाज सम्हाले ल छोड़ के छत्तीसगढ़ी समाज के निरमान म लग गे। एकरे सेती ठाकुर प्यारेलाल ल छत्तीसगढ़ राज के निरमान खातिर जुझईया नेता केहे गे हे।

3. पांच क्रिया शब्द म 'इया' प्रत्यय लगा के नवां शब्द बनावव अउ अपन वाक्य म प्रयोग करव।

उत्तर:

1. लिखना + इया = लिखइया

आज के समे म सबो लइका पढ़इया <u>लिखइया</u> हो गे हे।

2. रेंगना + इया = रेंगइया

रद्द <u>रेंगइया</u> मन बर बोरिंग खनात हे।

3. खेलना + इया = खेलइया

हामर इसकुल के क्रिकेट <u>खेलइया</u> मन भिलाई जात हें।

4. जाना + इया = जवइया

इसकुल कोन-कोन <u>जवइया</u> हे।

5. मांगना + इया = मंगइया

भीख मंगइया मन घर-घर जाके भीख मांगथे।

4. पांच शब्द युग्म सोच के लिखव अउ ओला अपन वाक्य म प्रयोग करव।

1. नेम-धेम

वाक्य- मोर बबा हर नेम-धेम ल गजब मानथे।

2. पाना-पतेर

वाक्य- गर्मी के दिन म जंगल म पाना-पतेर म आगि लग जाथे।

3. लइका-पिचका

वाक्य- लइका-पिचका मन मैदान म खेलत हे।

4. मान-गउन

वाक्य- घर में आय सगा के मान-गउन करना चाही।

5. गहना-गुंडी

वाक्य- जादा गहना-गुंडी पहिर के नई निकलना चाही।

पाठ – 10

सितारों से आगे

प्र.1 खाली स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(लड़के, सी.डी., आकाश, शिक्षा, प्रतीक्षा)

11.सबकी आँखें ..... की ओर लगी थीं।

उत्तर: आकाश

12.कल्पना के लौटने की ..... कर रहे थे।

उत्तर: प्रतीक्षा

13..... के क्षेत्र में मोंटू के परिवार काफी आगे थे।

उत्तर: शिक्षा

14.कल्पना अपने साथ संगीत की कई ..... ले गयी थी।

उत्तर: सी.डी.

15.जो काम ..... कर सकते हैं, वह मैं भी कर सकती हूँ।

उत्तर: लड़के

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. कब विश्व के लोग टीवी पर आँखे गड़ाए हुए थे?

उत्तर: 1 फरवरी 2003 को विश्व के लोग टीवी सेट पर आंखें गड़ाए हुए थे।

2. सबकी आँखें किस ओर लगी थी?

उत्तर: सबकी आँखें आकाश की ओर लगी थीं।

3. प्रकृति के रहस्यों को खोजने से क्या हो सकता है?

उत्तर: प्रकृति के रहस्यों के खोजने से जान जोखिम में पड़ सकता है।

4. कल्पना चावला को घर के लोग किस नाम से पुकारते थे?

उत्तर: कल्पना चावला को घर के लोग मोंटू के नाम से पुकारते हैं।

5. बनारसी दास चावला भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर कहाँ बसे?

उत्तर: बनारसी दास चावला भारत विभाजन के बाद पकिस्तान से आकर करनाल भारत में बसे।

6. कल्पना के जीवन की कहानी कहाँ से प्रारंभ हुई?

उत्तर: कल्पना के जीवन की कहानी करनाल से प्रारंभ हुई।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. टैगोर बाल निकेतन करनाल के बच्चे किसका और क्यों इंतज़ार कर रहे थे?

उत्तर: टैगोर बाल निकेतन करनाल के बच्चे अपने विद्यालय की पूर्व छात्रा कल्पना चावला के अंतरिक्ष से सकुशल वापस लौटने को उत्सव के रूप में मनाने हेतु इंतज़ार कर रहे थे।

2. विश्व में शोक की लहर क्यों दौड़ गयी?

उत्तर: विश्व में शोक की लहर कल्पना चावला एवं कोलंबिया स्पेस शटल में सवार सातों अंतरिक्ष यात्रियों की मृत्यु से दौड़ गयी।

3. कल्पना का अटल ध्येय क्या था?

उत्तर: कल्पना का अटल ध्येय उसका यह सन्देश था- “अपने विश्वास के धरातल से आगे बढ़कर चलो तभी असंभव को संभव बनाया जा सकता है”।

4. ‘जो काम लड़के कर सकते हैं, वह मैं भी कर सकती हूं’ कल्पना चावला यह क्यों कहती है?

उत्तर: कालेज में पढ़ते समय कल्पना दत्त चित्त होकर अपना कोर्स तो तैयार करती ही थी, साथ ही कालेज के सभी क्रिया-कलापों में भी भाग लेती थी। वह अक्सर कहती थी – “जो काम लड़के कर सकते हैं, वह मैं भी कर सकती हूँ”

5. मोंट्यू फाउंडेशन की स्थापना का उद्देश्य लिखिए।

उत्तर: मोंट्यू फाउंडेशन की स्थापना का उद्देश्य प्रतिभावान नवयुवकों और नवयुवतियों को जिन्हें धनाभाव के कारण उच्चशिक्षा से वंचित होना पड़ता है, विश्व विद्यालय की शिक्षा प्राप्त करने में सहायता करना।

6. कल्पना खुले आसमान को क्यों निहारती थी?

उत्तर: कल्पना गर्मी के दिनों में रात को खुले आसमान में तारागणों की ओर निहारती हुई नक्षत्र-लोक में पहुँच जाती थी। शायद यहीं से उसे अंतरिक्ष यात्रा सूझी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कल्पना चावला को भारत की बेटी क्यों कहा गया है? उनकी विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर: कल्पना चावला ने अपनी दृढ इच्छा-शक्ति और साहस के बल पर अंतरिक्ष में जाकर विश्व में भारत का नाम रोशन किया। उनकी विशेषताएं इस प्रकार हैं-

i. कल्पना का विचार था कि जो काम लड़के कर सकते हैं, उसे वह भी कर सकती है।
ii. उन्होंने अंतरिक्ष में उड़ने का अपना अटल ध्येय रखा।
iii. उन्हें जो भी उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य सौंपा गया, वे उन्हें पूरी निष्ठां से करती थी।
iv. वे निर्भीक एवं साहसी थी।
v. वे सदा नई जानकारी, नए अनुभव, नए चमत्कार करना चाहती थी।

2. एयरोनाटिक्स इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग का कौन सा क्षेत्र है और इसमें किस विषय की पढ़ाई होती है?

उत्तर: एयरोनाटिक्स इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग का वह क्षेत्र है जिसमें हवाई जहाज के उपकरणों को उनकी डिजायनिंग तथा उनके डेवलेपमेंट की शिक्षा दी जाती है। इसे हिंदी में वैज्ञानिक अभियांत्रिकी कहते हैं। इसमें हवाई जहाज के निर्माण से लेकर उसके कल-पुर्जों की मरम्मत करने आदि की शिक्षा दे जाती हैं।

3. निम्नलिखित समानोच्चारित शब्दों को इस प्रकार वाक्यों में प्रयोग कीजिये, जिसमें उनके अर्थ में अंतर स्पष्ट हो जाए-

साहस /सहसा, परिणाम/परिमाप, दिन/दीन, अपेक्षा/उपेक्षा, श्वेत/स्वेद, अनु/अणु

1. साहस /सहसा
   साहस – सभी ने अभिनन्दन के साहस की प्रसंशा की।
   सहसा – मोहन ने सहसा कुएँ में छलांग लगाकर बच्चों को बचा लिया।
2. परिणाम/परिमाण
   परिणाम – कल मेरा परीक्षा परिणाम आयेगा।
   परिमाण – कारखानों से असीमित परिमाण के दो पहिया बनकर निकल रहे हैं।
3. दिन/दीन
   दिन – दिन ढलने को है, जल्दी अँधेरा हो जायेगा।
   दीन – हमें दीन-दुखियों की मदद करनी चाहिए।
4. अपेक्षा/उपेक्षा
   अपेक्षा – रायपुर की अपेक्षा दुर्ग ज्यादा साफ़-सुथरा है।
   उपेक्षा – बुढापे में माता-पिता की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
5. श्वेत/स्वेद
   श्वेत – श्वेत वस्त्र अच्छा लगता है।
   स्वेद – खेतों में गिरे किसानों के स्वेदकण निष्फल नहीं जाते।
6. अनु/अणु
   अनु – वस्तुएं समय निकल जाने पर अनुपयोगी हो जाते हैं।
   अणु – ब्रम्हाण्ड की रचना अणु से मानी जाती है।

पाठ – 11

कोई नहीं पराया

- श्री गोपाल दास 'नीरज'

प्र.1 उचित संबंध जोड़िये-

1. जंग लगी तलवार	मंदिर
2. आराध्य	पिछड़े वर्ग
3. देवालय	पूज्य
4. दलित	साज-सज्जा
5. श्रृंगार	पुरानी परंपरा रुपी बेड़ी

उत्तर:-

1. जंग लगी तलवार	पुरानी परंपरा रुपी बेड़ी
2. आराध्य	पूज्य
3. देवालय	मंदिर
4. दलित	पिछड़े वर्ग
5. श्रृंगार	साज-सज्जा

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

1. कवि ने सारा संसार को अपना क्या बताया है?
   उत्तर: कवि ने सारा संसार को अपना घर बताया है।
2. कवि किससे नहीं बंधा है?
   उत्तर: कवि जंग लगी जंजीर से नहीं बंधा है।
3. कवि अपना अराध्य किसे कहा है?
   उत्तर: कवि अपना अराध्य आदमी को कहा है।

4. कवि हर घर को क्या कहा है?

   उत्तर: कवि हर घर को देवालय (मंदिर) कहा है।

5. कवि का धर्म किसका गुलाम नहीं है?

   उत्तर: कवि का धर्म स्याही के कुछ शब्दों का गुलाम नहीं है।

6. पाठ में कवि किसे बांटने के लिए कहा है?

   उत्तर: पाठ में कवि प्यार को बांटने के लिए कहा है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कवि को मानवता पर क्यों अभिमान है?

उत्तर: कवि को मानवता पर अभिमान इसलिए है, क्योंकि वे मानवता के पुजारी हैं, उन्हें देवत्व नहीं मानवता अच्छी लगाती है। उन्हें संसार में प्रेम को छोड़कर कुछ भी स्वीकार नहीं है।

2. स्वर्ग सुख की सुकुमार कहानियों को कवि क्यों नहीं सुनना चाहता है?

उत्तर: क्योंकि कवि प्यार-मुहब्बत, भाईचारा अदि से युक्त अपनी इस धरती के सुख को स्वर्ग सुख से सौ गुना अधिक मधुर एवं सुखदायी मानते हैं, इसलिए स्वर्ग सुख की सुकुमार कहानियों को नहीं सुनना चाहते हैं।

3. 'जंग लगी जंजीर' किसे और क्यों कहा गया है?

उत्तर: कवि ने 'जंग लगी जंजीर' अपने-पराये से ग्रसित भावना को कहा है। ऐसा इसलिए कहा क्योंकि अनपे-पराये की भावना में फंसा व्यक्ति उसी प्रकार मानवता को नष्ट करता है जिस प्रकार जंग लोहे की जंजीर को नष्ट कर देती है।

4. धर्म को कवि ने कुछ स्याही शब्दों का गुलाम क्यों कहा है?

उत्तर: धर्म स्याही शब्दों में लिखा गया होता है जो पढ़ा जाता है, परन्तु लोग उसे आचरण में नहीं लाते। धर्म के विषय बहुत हैं पर कोई मानता नहीं इसलिए कवि ने धर्म को स्याही शब्दों का गुलाम कहा है।

5. कवि देवत्व और अमरत्व के स्थान पर मनुजत्व को स्वीकारने की बात क्यों करता है?

उत्तर: कवि देवत्व और अमरत्व के स्थान पर मनुजत्व को स्वीकारने की बात इसलिए करता है क्योंकि उन्हें मानव से प्रेम है और मानव धर्म उनका आराध्य है।

6. जात-पात की दीवारों ने मानवता को क्या हानि पहुंचाई है?

उत्तर: हमारा समाज आज जातिवाद के कारण विभिन्न समूहों में बंट गया गया है। लोग पहले अपनी जाति के हित के विषय में सोचते है और वाही करते हैं, जिनसे उनका स्वार्थ सिद्ध हो। मानवीय मूल्य जातिगत स्वार्थ के आगे बौने साबित हो रहे हैं, जिससे मानवीय समाज में प्रेम दया, सौहार्दता, भाईचारा, मैत्रीभाव जैसे गुण सर्वथा विलुप्त होते जा रहे हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित पद्यांशों के सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये-

a. कोई नहीं पराया, मेरा घर सारा संसार है।
   मैं न बंधा हूँ, देशकाल की जंग लगी जंजीर में,
   मैं न खड़ा हूं जात-पात की ऊंची-नीची भीड़ में,
   मेरा धर्म न कुछ स्याही-शब्दों का सिर्फ गुलाम है,
   मैं बस कहता हूँ, कि प्यार है तो घट-घट में राम है,
   मुझसे तुम न कहो मंदिर-मस्जिद पर सर मैं टेक दूं,
   मेरा तो आराध्य आदमी, देवली घर-द्वार है।
   कोई नहीं पराया, मेरा घर सारा संसार है।

सन्दर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक भारती के 'कोई नहीं पराया' पाठ से लिया गया है। इसके कवि श्री गोपालदास 'नीरज' जी हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने सारे संसार को अपना घर मानता है और कल्पना करता है।

व्याख्या- कवि कहते हैं कि यहाँ कोई दूसरा नहीं है, सारा संसार ही मेरा घर है। मैं देश की धर्म व जाति की जंजीर से नहीं बंधा हूँ। मैं जात-पात ली ऊंच नीच की भीड़ में भी नहीं खड़ा हूँ। मेरा धर्म स्याही से लिखे हुए कुछ शब्दों का गुलाम नहीं है। में तो बस यही कहता हूँ कि यदि आपस में प्यार है तो कण-कण में (हर जगह) राम है। मुझसे तुम मंदिर या मस्जिद पर सर झुकाने के लिए मत कहना। मेरा आराध्य मनुष्य और हर घर का दरवाजा मंदिर है। यहाँ कोई दूसरा नहीं सारा संसार ही मेरा घर है।

b. कहीं रहे कैसे भी मुझको प्यारा यह इंसान है,
मुझको अपनी मानवता पर बहुत-बहुत अभिमान है,
अरे नहीं देवत्व मुझे तो भाता है मनुजत्व ही,
और छोड़कर प्यार नहीं स्वीकार सकल अमरत्व भी,
मुझे सुनाओ तुम न स्वर्ग-सुख की सुकुमार कहानियां,
मेरी धरती सौ-सौ स्वर्गों से ज्यादा सुकुमार है।

सन्दर्भ – प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक भारती के 'कोई नहीं पराया' पाठ से लिया गया है। इसके कवि श्री गोपाल दास 'नीरज जी' है।

प्रसंग- इसमें कवि ने मानवता का अभिमान और धरती की कोमलता का वर्णन किया है।

व्याख्या- कवि कहते हैं कि कोई भी इंसान कहीं भी और कैसे भी रहता हो यदि उसमें इंसानियत है तो वह मुझे प्रिय है। मैं अपनी मानवता पर गर्व का अनुभव करता हूँ क्योंकि मुझे देवत्व नहीं मानवता ही अच्छी लगती है। मुझे इस संसार में प्रेम को छोड़, कुछ भी स्वीकार नहीं है। इसलिए तुम मुझे स्वर्ग के सुख की मधुर कहानियां मत सुनाओ, प्यार-मुहब्बत, भाई चारा आदि से युक्त मेरी इस धरती का सुख, स्वर्ग-सुख से सौ गुना अभिक मधुर एवं सुखदायी है।

पाठ 12

प्रेरणा स्रोत

संकलित

उचित संबंध जोड़िये-

1. अमानत - दुनिया
2. कायनात - अधिक
3. ज्यादा - कठोर
4. जिक्र - धरोहर
5. सख्ती - उल्लेख/चर्चा
6. अफसोस - भीगा हुआ
7. सराबोर - पश्चाताप

उत्तर :- 1. अमानत - धरोहर
2. कायनात - दुनिया
3. ज्यादा - अधिक
4. जिक्र - उल्लेख/चर्चा
5. सख्ती - कठोर
6. अफसोस - पश्चाताप
7. सराबोर - भीगा हुआ ।

अति लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. "मिसाइलमैन"के नाम से किस राष्ट्रपति को जाना जाता है?

उत्तर:- डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम को मिसाइलमैन के नाम से जाना जाता है।

2. डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम हमारे देश के कौन-से स्थान के राष्ट्रपति हैं?

उत्तर:- डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम हमारे देश के तीसरे स्थान के राष्ट्रपति हैं।

3. डॉ. कलाम को कौन-से सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है?

उत्तर:- डॉ. कलाम को देश का सर्वोच्च सम्मान "भारतरत्न"से सम्मानित किया गया है।

4. डॉ. कलाम की माता का क्या नाम था?

उत्तर:- इनकी माता का नाम आशियम्मा था।

5. डॉ. कलाम को सर्वाधिक प्रेरणा किससे मिली?

उत्तर:- डॉ. कलाम को सर्वाधिक प्रेरणा आशियम्मा से मिली।

6. डॉ. कलाम को किन-किन नामों से जाना जाता है?

उत्तर:- डॉ. कलाम को मिसाइलमैन, पीपुल्स प्रेसिडेंट के नाम से जाना जाता है।

लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. बालक कलाम को पढ़ने के लिए माँ कैसे प्रोत्साहित करती थी?

उत्तर:- बालक कलाम को पढ़ने के लिए माँ ने एक स्पेशल लैंप खरीदी और उसे देर रात तक उपयोग करते लगन और मेहनत को देखकर लाड़-प्यार व स्नेह से प्रोत्साहित करती थी।

2. पढ़ाई के लिए घर से दूर जाते हुए कलाम ने माँ को क्या समझाया?

उत्तर:- पढ़ाई के लिए घर से दूर जाते हुए कलाम ने माँ को समझाया, माँ मैं तुमसे दूर जा रहा हूँ। मैं अपनी माँ के बिना भला क्या रह सकता हूँ?

3. भारतीय छात्रों को डॉ. कलाम ने क्या संदेश दिया?

उत्तर:- भारतीय छात्रों को डॉ. कलाम ने संदेश देते हुए कहा कि "सपने वे नही होते, जो रात को सोते समय नींद में आएँ, सपने वे होते हैं, जो रातों में सोने नही देते।"

"इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते है।"

4. डॉ. कलाम के जीवन का सबसे बड़ा अफसोस क्या था?

उत्तर:- डॉ. कलाम के जीवन का सबसे बड़ा अफसोस यह था कि वे अपने माता-पिता को उनके जीवनकाल में 24 घण्टे बिजली उपलब्ध नही करा सके।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. महान काम, सहज भाव और महान व्यक्तित्व चुनिंदा हस्तियों जैसे विशेषण शब्दों

का प्रयोग पाठ में हुआ है पाठ से आप अन्य दस विशेषण युक्त शब्दों को ढूढकर लिखिए-

उत्तर:- 1. श्रेष्ठ भारतीय

2. सरल व्यक्तित्व
3. मूल भाव
4. सर्वोच्च सम्मान
5. संयुक्त परिवार
6. जीवन मूल्य
7. सुनहरी रेत
8. छोटी दुनिया
9. तमाम बच्चों
10. भारतीय नागरिक।

2. डॉ. कलाम को कौन-सी घटना जीवनभर याद रही?

उत्तर:- डॉ. कलाम की लगन और मेहनत को देखकर उनकी माँ उनके खाने-पीने का विशेष ध्यान रखती थी। दक्षिण में चावल अधिक पैदा होने के कारण वहां के लोग चावल अधिक खाते थे, किन्तु कलाम को रोटियों से विशेष लगाव था इसलिए रोज उनके खाने में दो रोटियाँ अवश्य देती थी। एक दिन गिनी चुनी रोटियाँ बचीं, यह देखकर माँ ने अपने हिस्से की रोटी कलाम को दे दी। यह बात उनके बड़े भाई ने कलाम को बताई, जो उसे जीवन भर याद रही।

3. डॉ. कलाम की प्रेरणा स्रोत उनकी माँ थी। हम सबके जीवन में माँ की भूमिका कितनी गौरवपूर्ण है? अपने विचार लिखिए।

उत्तर:- हम सबके जीवन में माँ की भूमिका अत्याधिक गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण है। इस जगत में लाने का श्रेय माँ को ही हैं। उसकी छाया में हम पलते एवं बढ़ते है जीवन में चाहे कैसा भी समय क्यों ना आए, माँ ही है जो हमारे साथ होती है। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में वह हमेशा संबल प्रदान करती है। जीवन में जब कठिनाइयाँ आती है तो उस वक्त भी माँ

का ही सहारा सबसे पहले हमें मिलता है। अतः हम सबके जीवन में माँ की भूमिका अहम् है। वह हमारे व्यक्तित्व का आइना है।

4. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए-

मुझे फल ही चाहिए।

मुझे फल भी चाहिए।

वाक्य में 'ही'के स्थान पर 'भी'लगा देने से वाक्य का अर्थ बदल जाता है। इसी प्रकार के पांच वाक्य बनाइए।

उत्तर:- 1) मुझे पुस्तक ही चाहिए।

मुझे पुस्तक भी चाहिए।

2) मुझे रायपुर ही जाना है ।

मुझे रायपुर भी जाना है।

3) मुझे खेल ही खेलना है।

मुझे खेल भी खेलना है।

4) मुझे सामान ही लेना है ।

मुझे सामान भी लेना है।

5) मुझे चॉकलेट ही चाहिए।

मुझे चॉकलेट भी चाहिए।

पाठ 13

सुभाषचंद्र बोस का पत्र

संकलित

रिक्त स्थानों की पूर्तिकीजिए-

1. सुभाषचंद्र बोस..... के नाम से प्रसिद्ध है।

उत्तर:- नेता जी।

2. सुभाषचंद्र बोस ने यह पत्र केसरी पत्रिका के संपादक..... के नाम से लिखा था।

उत्तर:- श्री एन सी केलकर।

3. सुभाषचंद्र बोस ने यह पत्र बर्मा के..... जेल से लिखा था।

उत्तर:- मांडले जेल।

4. गीता भाष्य ग्रंथ की रचना..... ने की थी।

उत्तर:- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक।

5. लोकमान्य ने अपने सुप्रसिद्ध..... ग्रंथ का प्रणयन किया था।

उत्तर:- गीता भाष्य।

अति लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. नेता जी ने केलकर को पत्र क्यों लिखा?

उत्तर:- नेता जी ने केलकर को जानकारी देने के लिए पत्र लिखा।

2. लोकमान्य ने अपने जीवन का छः वर्ष कहां और क्यों गुजारा?

उत्तर:- लोकमान्य ने अपने जीवन के छः वर्ष मांडले जेल में बिताए क्योंकि वे एक महान क्रांतिकारी व गरम दल के नेता थे।

3. लोकमान्य को कारावास में सांत्वना देने वाली वस्तु क्या थी?

उत्तर:- लोकमान्य को कारावास में सांत्वना देने वाली एकमात्र वस्तु किताबें थी।

4. सुभाषचंद्र बोस ने किस पुस्तक की रचना की और उसका विषय क्या है?

उत्तर:- सुभाषचंद्र ने आत्मकथा की रचना की और उसका विषय था "आजादी के लिए संघर्ष करना।"

5. लोकमान्य दुःख और यंत्रणाओं से ऊपर रहते थे। कैसे?

उत्तर:- लोकमान्य गीता की भावना में मग्न रहते थे और शायद इसलिए दुःख और यंत्रणाओं से ऊपर रहते थे।

लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. सुभाषचंद्र ने भगवान को धन्यवाद क्यों दिया?

उत्तर:- सुभाषचंद्र ने भगवान को धन्यवाद इसलिए दिया कि मांडले जेल में अपनी मातृभूमि और स्वदेश से बलात् अनुपस्थिति के बावजूद मुझे पवित्र स्मृतियां राहत और प्रेरणा देगी।

2. नेता जी के अनुसार आजकल के नौजवान को वहां की जलवायु से क्या शिकायत है?

उत्तर:- उस देश की जलवायु के बारे में नौजवानों को यह शिकायत थी कि वहां की जलवायु मंदाग्नि और गाठिया को जन्म देने वाली है और धीरे-धीरे वह व्यक्ति की जीवन शक्ति को सोख लेती है।

3. पाठ में आये कठिन शब्दों के अर्थ लिखिए-
   बलात्, यंत्रणा, स्वदेश, प्रणयन, दंड संहिता, सांत्वना

उत्तर:- बलात् - बल से

यंत्रणा - पीड़ा

स्वदेश - अपना देश

प्रणयन - रचना, ग्रंथ लिखना

दंड संहिता - सजा देने वाले नियम

सांत्वना - तसल्ली।

4. कारावास अथवा जेल जीवन, हमारे घर के जीवन अथवा आम जीवन से कैसे अलग है?

उत्तर:- कारावास अथवा जेल जीवन, हमारे घर के जीवन अथवा आम जीवन से एकदम अलग होते है कारावास में शारीरिक यंत्रणा दी जाती है, कारावास जीवन को दूभर बना देता है बहुत सी यातनाएं सहनी पड़ती है, घर का जीवन सामान्य और स्वतंत्र होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. देशवासी अर्थात देश में रहने वाले, कारावास- कारा में वास। राजनीति- राजा की नीति, पाठ में इसी प्रकार के बहुत सारे सामासिक पदों का प्रयोग हुआ है उनका विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

   राजबंदी, तीर्थस्थल, बहुमूल्य, लोकमान्य, महापुरुष, स्थानांतरण, एकाग्रचित,चहारदीवारी

उत्तर:-

सामासिक पद	समास विग्रह	समास का नाम
राजबंदी	राजा का बंदी	तत्पुरूष समास
तीर्थस्थल	तीर्थ का स्थल	तत्पुरूष समास
बहुमूल्य	बहुत है मूल्य जिसका	कर्मधारय समास
लोकमान्य	लोक में मान्य	तत्पुरूष समास
महापुरुष	महान है जो पुरुष	कर्मधारय समास

स्थानांतरण	एक स्थान से दूसरे स्थान	तत्पुरूष समास
एकाग्रचित	एक चित्त होना	अव्ययी भाव समास
चहारदीवारी	चार दीवारों का समूह	द्विगु समास

2. सुभाषचंद्र बोस ने जेलों को तीर्थस्थल क्यों कहा है?

उत्तर:- सुभाषचंद्र बोस ने जेलों को तीर्थस्थल कहा है क्योंकि यहां भारत के महान सपूतों ने कारावास का समय बिताया है। इनमें से एक मांडले जेल जहां "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है"के उद्घोषक, "गीता भाष्य"के रचनाकार लोकमान्य तिलक ने अपने जीवन के छः वर्ष बिताए हैं।

3. निम्न अवतरण में कुछ विराम चिन्ह छूट गये है, उनका यथास्थान प्रयोग कीजिए-

   लेकिन इस कारागार की चहारदीवारियों में उन्होंने क्या यातनाएं सही इसके विषय में लोगों को बहुत कम जानकारी है कितने लोगों को पता है उन अनेक छोटी-छोटी बातों का जो किसी बंदी के जीवन में सुइयों की सी चुभन बन जाती है और जीवन को दूभर बना देती है वे गीता की भावना में मग्न रहते थे और शायद इसीलिए दुःख और यंत्रणाओं से ऊपर रहते थे

उत्तर:- लेकिन इस कारागार की चहारदीवारियों में उन्होंने क्या यातनाएं सहीं, इसके विषय में लोगों को बहुत कम जानकारी है। कितने लोगों को पता है, उन अनेक छोटी-छोटी बातों का, जो किसी बंदी के जीवन में सुइयों की सी चुभन बन जाती है और जीवन को दूभर बना देती है। वे गीता की भावना में मग्न रहते थे और शायद इसीलिए दुःख और यंत्रणाओं से ऊपर रहते थे।

4. पाठ में दिए गए इस वाक्य को ध्यान से पढ़िए-

   "वहां भारत का एक महानतम सपूत लगातार छह वर्षों तक रहा"यहाँ पर महानतम शब्द गुणवाचक विशेषण का तुलनात्मक रूप है। मूल शब्द महान है, उत्तर अवस्था महानतर, उत्तमावस्था महानतम है, जैसे अधिक अधिकत्तर, सुंदर सुंदरतम

सुंदरतर। इसी प्रकार के पांच विशेषण के शब्दों में तर, तम जोड़कर उनके रूप लिखिए।

उत्तर:-

उच्च	उच्चतर	उच्चतम
वृहत	वृहत्तर	वृहत्तम
प्राचीन	प्राचीनतर	प्राचीनतम
नवीन	नवीनतर	नवीनतम
दीर्घ	दीर्घतर	दीर्घतम

पाठ 14

भारत बन जाही नंदन वन

कोदू राम दलित

रिक्त स्थानों की पूर्तिकीजिए-

(तरुण, जग, पिछवा, आलस, नरेस, हरिया)

1) ये पुरुस भूमि _____ जाही।

उत्तर:- हरिया।

2) हे नव भारत के _____ वीर।

उत्तर:- तरुण।

3) भारत बन ही _____ मा महान।

उत्तर:- जग।

4) तज दे _____ कर श्रम कठोर।

उत्तर:- आलस।

5) हे स्वतंत्र भारत के _____।

उत्तर:- नरेस।

6) _____ जाबे अब झन अगोर।

उत्तर:- पिछवा।

अति लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. पुरुसारथ के काय अर्थ हे?

उत्तर:- पुरुसारथ के अर्थ पुरुषार्थ से हे।

2. कवि ह भीम भागीरथी अऊ महावीर कोन ल कहे हे?

उत्तर:- कवि ह भीम भागीरथी अऊ महावीर देश के जवान वीर मन ल केहे हे।

3. देश नव जवान मन ले का मांगत हे?

उत्तर:- देश ह नव जवान मन ले मेहनत(श्रमदान) मांगत हे।

4. भारत नंदनवन कब बन जाही?

उत्तर:- जब नव जवान मन अपन ज्ञान अऊ मेहनत के उपयोग करही तब भारत नंदनवन बन जाही।

5. कलेस अऊ नवभारत के शब्दार्थ बतावव?

उत्तर:- कलेस - कष्ट

नवभारत - नया भारत ।

6. गुन अऊ आगू शब्द के उल्टा अर्थ लिखव?

उत्तर:- गुन - अवगुन

आगू - पाछू।

लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. खाल्हे लिखाय कविता के पंक्ति के अर्थ लिखव-

अ) "हे नव भारत के तरुण वीर

हे भीम भागीरथ महावीर।"

झन भुला अपन पुरुसारथ बल

उत्तर:- हे नये भारत के जवान वीरों! हे भीम भागीरथ और महावीर के समान शक्तिशाली वीरों तुम अपने पुरुषार्थ बल को कभी मत भूलों।

2. कवि ह नव जवान मन ले कड़ा मेहिनत करे बर काबर कहत हे?

उत्तर:- कवि ह नव जवान मन ले कड़ा मेहनत करे बर एखरे खातिर कहत हे कि एखरे बल म ये मन देश ल नंदनवन जइसन सुघ्घर बना सकत हे।

3. ऐसे तीन शब्द कलेस, नरेस, भूमि के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखव?

उत्तर:- कलेस - दुख, पीड़ा, कष्ट
नरेस - राजा, नृप, भूप
भूमि - धरती, पृथ्वी, भू।

4. समानार्थी शब्द लिखव?
तरुण, जग, संपदा

उत्तर:- तरुण - युवा
जग - संसार
संपदा - संपत्ति।

5. खण्डहर मा रच अब रंगमहल म छिपे भाव ल समझावव?

उत्तर:- खण्डहर मा रच अब रंगमहल म छिपे भाव ये हे कि देश के जवान वीर म अतका ताकत होथे कि वो हा खण्डहर (पुराना) म रंगमहल रच डरथे। ये अपन ज्ञान अऊ मेहनत के बल म खण्डहर म रंगमहल बना सकत हे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. तुमन ल अपन जीवन म कभू भीम भागीरथ महावीर के पात्र के किरदार निभाय के मौका मिलही त तीनों में से काकर किरदार निभाना पसंद करहु अउ काबर?

उत्तर:- हमन ल अपन जीवन म कभू ये किरदार निभाय के मौका मिलही त तीनों में से मैं ह भागीरथ के किरदार निभाना पसंद करहू। काबर कि भागीरथ अपन संकल्प व साहस दृढ़ निश्चय से असंभव काम ल संभव कर डारिस अऊ हमन मन ल कठिन काम ल सरल बनाय के लिए भी एखर से बल मिलथे।

2. समानोच्चारित शब्द लिखव।
जैसे कविता में नरेस-कलेस, ज्ञान- महान, जइसन तुक-ले-तुक मिले शब्द लिखव।
खाल्हे लिखाय शब्द के दो-दो समानोच्चारित शब्द लिखव।
स्वदेश, वीर, तोर, विशुद्ध, महल

उत्तर:- स्वदेश - निरदेश, परदेश
वीर - तीर, चीर
तोर - मोर, चोर

विशुद्ध - अशुद्ध, अवरुद्ध

महल - चहल, पहल।

3. भारत ल अऊ का-का नाम ले जाने जाथे वोकर सूची बनाववं?

उत्तर:- वर्तमान समय में भारत के तीन आधिकारिक नाम हे- भारत, इंडिया एवं हिन्दुस्तान। भारत के पुराना नाम आर्यावर्त हे। इंडिया और भारत के अलावा संविधान में भारतवर्ष शब्द के घलो वर्णन होये हे।

वइसे भारत ल 7 ठन अउ नाम ले घलो जाने जाथे -

1) भारत
2) इंडिया
3) हिन्दुस्तान
4) आर्यावर्त
5) जंबुद्वीप
6) भारतखण्ड
7) हिन्द।

पाठ 15

शतरंज में मात

डॉ. श्री प्रसाद

विलोमार्थी शब्दों की जोड़ी बनाइए-

1) प्रशंसा - अव्यवस्था
2) चतुराई - सज्जन
3) खुश - पराजय
4) दुष्ट - निंदा
5) उत्तम - नाखुश
6) जय - मूर्खता
7) व्यवस्था - अधम

उत्तर:- 1) प्रशंसा - निंदा

2) चतुराई - मूर्खता

3) खुश - नाखुश

4) दुष्ट - सज्जन

5) उत्तम - अधम

6) जय - पराजय

7) व्यवस्था - अव्यवस्था।

अति लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. "शतरंज में मात"एकांकी के लेखक कौन है?

उत्तर:- "शतरंज में मात"एकांकी के लेखक डॉ. श्री प्रसाद है।

2. "शतरंज में मात" पाठ हिंदी की कौन-सी विधा है?

उत्तर:- "शतरंज में मात"पाठ यह एकांकी की विधा है।

3. राजा कृष्ण देव राय के दरबारी के नाम बताओ?

उत्तर:- राजा कृष्ण देव राय के दरबारी का नाम तेनाली राम था।

4. तेनाली राम किसके लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर:- तेनाली राम चतुराई के लिए प्रसिद्ध है।

5. मुंडन किसका और क्यों हो रहा था?

उत्तर:- मुंडन तेनाली का हो रहा था क्योंकि तेनाली राम शतरंज के खेल में राजा से पिट जाते हैं।

6. तेनाली जी ने शतरंज का खेल किसके साथ खेला?

उत्तर:- तेनाली जी ने शतरंज का खेल राजा कृष्ण देव राय के साथ खेला।

लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. "भरी सभा में मुंडन ? इससे बढ़कर कोई अपमान ।"ये शब्द किसने, किससे और क्यों कहे ?

उत्तर:- उपयुक्त शब्द तेनाली ने पहले दरबारी से इसलिए कहे कि राजा ने भरी सभा में तेनाली के बाल उतरवाने की बात कही।

2. "ता"प्रत्यय लगाकर तीन वाक्य बनाइए।

उत्तर:- धूर्त + ता = धूर्तता

मित्र + ता = मित्रता

सफल + ता = सफलता।

3. नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

(अ) घाघ (ब) ढ़ोंग (स) अधीर

उत्तर:- (अ) घाघ - भारी चालाक व्यक्ति

(ब) ढ़ोंग - पाखंड, छल

(स) अधीर - धैय रहित।

4. अब आप ही मेरे माता-पिता है आप सामने विराजमान हैं फिर मुंडन कैसे कराऊ? ये वाक्य किसने किससे कहे?

उत्तर:- यह वाक्य महाराज से तेनाली राम ने कहा।

5. दिए गए शब्दों को भाव वाचक संज्ञा में बदलिए? भाव वाचक संज्ञा का अर्थ बताइए- बूढा, मम, अपना, लम्बा

उत्तर:- **<u>भाव वाचक संज्ञा-</u>**संज्ञा का वह रूप जिससे किसी भाव का बोध हो, भाव वाचक संज्ञा कहते है।

बुढापा, ममता, अपनापन, लम्बाई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. तेनाली राम ने अपने चतुराई से दण्ड से मुक्ति पाई और पांच हजार अशर्फिया ले ली। कैसे?

उत्तर:- तेनाली राम ने राजा से कहा- "मैंने अपने बाल पर पांच हजार अशर्फिया उधार ली है। जब तक कर्जा न चुका दूँ, केश कटवाने का कोई हक नही है मुझे। इस प्रकार पांच हजार अशर्फिया ले ली और दण्ड से मुक्ति पाई। तेनाली राम ने राजा से कहा कि मेरे माता-पिता की मृत्यु के बाद आप ही मेरे माता-पिता हैं। आपके जीवित रहते मुंडन कराने से कही आप ही स्वर्ग सिधार गए तो? यह सुनते ही राजा ने सोचा कहीं सच में ऐसा हो गया तो? उन्होंने तेनाली के दण्ड को वापस ले लिया।

2. दरबारी तेनाली राम से क्यों चिढ़ते थे? कारण लिखिए।

उत्तर:- दरबारी तेनाली राम से इसलिए चिढ़ते थे क्योंकि राजा तेनाली राम की बुद्धिमानी, वाकपटुता और चतुराई को मानते थे। तेनाली राम हमेशा यही चाहता था कि गुनाहगार को सजा मिले और निर्दोष के साथ न्याय हो सके। उनके खिलाफ षडयंत्र रचने वाले लोगों का पर्दाफाश किया जा सके।

3. नीचे कुछ संज्ञाएं दी है आपको इससे विशेषण बनाने है(शिक्षा, अपमान, दोष, ढ़ोंग, क्रोध, ज्ञान)

उत्तर:-

संज्ञा	**विशेषण**
शिक्षा	शिक्षित
अपमान	अपमानित
दोष	दोषी
ढ़ोंग	ढ़ोंगी
क्रोध	क्रोधी
ज्ञान	ज्ञानी

4. 'सिर चढ़ना'प्रस्तुत एकांकी में आपने यह मुहावरा पढ़ा। ऐसे ही 'सिर'पर लिखे गए चार मुहावरे लिखिए तथा वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:- 1) सिर पर पैर रखकर भागना - दुम दबाकर भागना।

वाक्य- भारतीय सैनिकों को देखकर पाकिस्तानी सैनिक सिर पर पैर रखकर भागे।

2) सिर से निकल जाना - पल्ले न पड़ना।

वाक्य- भूखे लोगों को ज्ञान की बातें बताने पर उनके सिर से निकल जाती है।

3) सिर धुनना - पछताना।

वाक्य- अवसर निकलने के बाद लोग सिर धुनते हैं।

4) सिर पटकना - जिद करना।

वाक्य- लोग अपनी बात मनवाने के लिए सिर पटकने लगते हैं ।

पाठ 16

काव्य माधुरी

संकलित

सही विकल्प चुनकर लिखिए -

1. सूरदास जी काव्य माधुरी पाठ मे किस भगवान के बाल लीला का वर्णन किए हैं ?

(अ) राम (ब) कृष्ण (स) शिव (द) इन्द्र

उत्तर :- कृष्ण ।

2. तुलसीदास के काव्य रचना की भाषा कौन सी है ?

(अ) ब्रज (ब)अवधी (स) खड़ी बोली (द)

उत्तर:- अवधी ।

3. कबीर के शिष्य के नाम बताइए ?

(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास

(स) जगपाल (द) धरमदास

उत्तर:- धरमदास ।

4. बसौ मोरे …..... मे नंदलाल

(अ) हृदय (ब) गृह (स) नैनन (द) महल

उत्तर :- नैनन।

5. अधर का अर्थ होता है ?

(अ) गला (ब) होंठ (स) नाक (द) कान

उत्तर :-होंठ ।

6. मानुष हौं तो वही……नित नंद की धेनु

मझारन, किसकी काव्य रचना है ?

(अ) रविदास (ब) नंददास (स) रसखान (द) मीराबाई

उत्तर :- रसखान ।

अति लघुत्तरीय प्रश्न :-

1. भक्ति काल काव्यधारा को कितने भाग में बांटा गया?

उत्तर :- भक्ति काल काव्यधारा को दो भाग में बांटा गया-

(अ) निर्गुण काव्यधारा

(ब) सगुण काव्यधारा ।

2. सुरदास जी की दो काव्य रचनाएं बताइए?

उत्तर :- (अ) सूरसारावली (ब) सूरसागर।

3 . माखन न खाने की सफाई कृष्ण किस प्रकार देते हैं?

उत्तर :- ग्वाल बालों ने जबरदस्ती माखन उनके मुख पर लगा दिया है; यह कहकर कृष्ण माखन खाने की सफाई देते हैं।

4. माता कौशिल्या किस पक्षी को सोने से मढ़वा देने की बात कह रही है?

उत्तर :- माता कौशिल्या कौवे की चोंच को सोने से मढ़वाने की बात कह रही है।

5 .धर्म दास ने बंदी छोर किसे कहा है और क्यों ?

उत्तर :- धर्म दास बंदी छोर श्रीकृष्ण को कहा है क्योंकि वह तीनों लोकों के स्वामी हैं ।

6 . अपने बेटे कृष्ण की किन बातों को सुनकर यशोदा हंस दी ?

उत्तर :-कृष्ण मक्खन न खाने की सफाई देते है उन बातों को सुनकर माता यशोदा हंस देती है।

लघुत्तरीय प्रश्नः-

1 . रसखान के ब्रज भूमि से प्रेम के दो उदाहरण लिखिए ?

उत्तर :-(1) मनुष्य बनूँ तो ब्रज के गोकुल के गांव में ग्वालों के बीच निवास करूं ।

(2) पशु बनू तो नंद बाबा की गायों के साथ चरूँ ।

2 . "ज्ञान खड्ग तिरगुन को मोर"से धरमदास जी का क्या आशय है ?

उत्तर :- धरमदास जी का आशय यह है कि ज्ञान रूपी तलवार से तीन अवगुण (क्रोध, मद, लोभ) पांच से पच्चीस चोरों को मारता है ।

3 . मां अपने बच्चों के कुशल मंगल के लिए क्या-क्या करती है ?

उत्तर :- मां अपने बच्चों के कुशल मंगल के लिए उपवास करती है, दान पुण्य करती है, बच्चे के कुशल भविष्य के लिए मन्नते माँगती है ।

4 . भक्ति कालीन कृष्ण भक्ति काव्यधारा के अंतर्गत तीन कवियों के नाम लिखो ?

उत्तर :- कबीर दास ,संत शिरोमणि रविदास, सूरदास, मीराबाई ।

5 . "काग तेरी चोंच को सोने से मढ़ा दूँगी।"कौशिल्या कौएं को संबोधित करते हुए यह क्यों कहती है ?

उत्तर :- "काग तेरी चोंच को सोने से मढ़ा दूँगी।"कौशल्या कौए को इसलिए कहती है ताकि वह प्रभु श्री राम के वनवास से लौटने का समाचार सुना जाए ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. 'ज्ञान'शब्द के न में 'ई'लगाने से शब्द बना है 'ज्ञानी'। ऐसे ही दान, मान, ध्यान शब्दों में ई लगाकर नए शब्द बना कर वाक्य प्रयोग करो ?

उत्तर :- दान + ई = दानी

वाक्य - राजा शिवी <u>दानी</u> और महान थे ।

मान + ई = मानी

वाक्य- छात्रों ने शिक्षक की बात <u>मानी</u> ।

ध्यान + ई = ध्यानी

वाक्य- ऋषि मुनि <u>ध्यानी</u> और ज्ञानी होते है।

2. इन शब्दों को छत्तीसगढ़ी बोली मे लिखिए-

दूसरा, पायो, गाय, निकट, कछु, बहियन, परायों, सिर, लगन

उत्तर :- दूसरा - दूसर
पायो - पायेव
गाय - गैया, गऊ
निकट - लकठा
कछु - कुछु, थोरकुन
बहियन - बांही
परायों - दूसर
सिर - मुड़
लगन - मन ।

3. इस पाठ में अनेक तद्भव शब्दों का प्रयोग हुआ है। निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम् रूप लिखिए

सोना, नाच, सांझ, दूध, पाँय , चोंच, छुद्र

उत्तर :- सोना - स्वर्ण

नाच - नृत्य

साँझ - संध्या

दूध - दुग्ध

पाय - पद

चोंच - चञ्चु

छुद्र - क्षुद्र।

4. इस पाठ में से अनुप्रास अलंकार के कोई चार उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(1) मैय्या मोरी मैं नहीं माखन खायो

'म 'वर्ण की आवृत्ति

(2) अवधि समीप जानि जननी जिय अति आतुर अकुलानी ।

'अ'व 'ज'वर्ण की आवृत्ति

(3) जौ खग हो तो बसेरा करो; नित कलिंदी कूल कंदंब की डारन

'क'वर्ण की आवृत्ति

(4) मन मोर लागे है सतगुरु में ।

'म'वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार होने के कारण अनुप्रास अलंकार है।

पाठ 17

वर्षा बहार

"श्री मुकुटधर पाण्डेय"

सही विकल्प चुनकर लिखो-

(1) वर्षा बहार सबके……..को लुभा रही है
(अ) फूल (ब) पत्ते (स) मन (द) धन

उत्तर :- मन।

(2) नभ का पर्यायवाची शब्द हैं ?
(अ) आसमान (ब) कमल (स) वायु (द) पवन

उत्तर :- आसमान।

(3) मन को कौन-सी बहार लुभा रही हैं?
(अ) गर्मी (ब) ठंडी (स) बसंत (द) वर्षा

उत्तर :- वर्षा।

(4) पपीहे…….. की ताप से व्याकुल थे?
(अ) गर्मी (ब) ठडी (स) बसंत (द) वर्षा

उत्तर :-गर्मी की।

(5) सौरभ का अर्थ है।
(अ) सौंदर्य (ब) बदबू (स) सुगंध (द) खुशी

उत्तर :- सुगंध।

(6) इनमें से बगीचा का पर्याय नही है?
(अ) बाग (ब) उपवन (स) फुलवारी (द) शिवाला

उत्तर :- शिवाला।

(7) .....लुभा रहे है, गाकर सुगीत प्यारे।

(अ) मछली (ब) कीड़े (स) मेढ़क (द) सीप

उत्तर:- मेढ़क।

अति लघुतरीय प्रश्नः-

(1) वर्षा बहार किसके मन को लुभा रही है ?

उत्तर :- वर्षा बहार सबके मन को लुभा रही है ।

(2) ठण्डी हवाएं चलने से क्या हिल रही है ?

उत्तर :- ठण्डी हवाएं चलने से वृक्ष की डालियां हिल रही है ।

(3) बागों में सुदंर गीत कौन गाती हैं ?

उत्तर :- बागों में सुदंर गीत मालिने गाती हैं ।

(4) सौरभ के उड़ने से क्या हो रहा है ?

उत्तर :- सौरभ के उड़ने से चारों ओर का वातावरण सुगंधित हो चला है ।

(5) कवि किसानों के गीत के मनहर क्यों कह रहा है ?

उत्तर :- खेतों में काम करते हुए किसानों के गीत हमारे मन को लुभाने वाले होते है। इसलिए कवि उनके गीतों को मनहर कह रहा है ।

(6) आमोद का क्या अर्थ है ?

उत्तर :- आमोद अर्थात खुशियाँ होती हैं ।

लघुतरीय प्रश्न

(1) जीव जलचर पर वर्षा का क्या प्रभाव पड़ रहा है ?

उत्तर :- वर्षा के आगमन से जीव व जलचर सभी आनंदित हो रहे है। ऐसा लग रहा है मानों चारो ओर सुख और प्रसन्नता छा गई है ।

(2) पपीहे द्वारा ग्रीष्म ताप खोने का क्या अर्थ है?

उत्तर :- पपीहे ग्रीष्म के ताप से व्याकुल थे। वर्षा ऋतु के आगमन से वे भी प्रसन्न हैं, और वे अपनी तपन (प्यास) बुझा रहे हैं।

(3) तीन शब्द दिए हैं उनका विलोम शब्द लिखिए -

ठंडी, सुंदर, प्रसन्न

उत्तर :- ठंडी - गर्मी

सुदंर - कुरूप

प्रसन्न - अप्रसन्न

(4) "सारे जगत की शोभा निर्भर"इसके ऊपर कहने से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर :- वर्षा ऋतु में चारों तरफ हरियाली छा जाती है। प्रकृति का सौंदर्य अद्भभुत होता है। चारों तरफ लगता है मानों आनंद व उल्लास छा गया हो। ग्रीष्म की प्रचण्डता समाप्त हो जाती है ।

(5) तीन तत्सम शब्द व तीन तद्भव शब्द लिखिए

उत्तर:- तत्सम शब्द - मेघ, वर्षा, नभ

तद्भव शब्द - बिजली, गरज, बरस।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

(1) वर्षा सबके मन को कैसे लुभा रही है?

उत्तर :- वर्षा के आगमन से काली घटाएं छा गई है, बिजलियाँ चमक रही है, बादल गरज रहे हैं, झरने भी मस्ती में झूमते दिखाई दे रहे हैं। ठण्डी हवाओं से वृक्ष की डालियां हिल रही हैं। ऐसे में बगीचों में मालिने सुमधुर गीत गा रही हैं। इस तरह वर्षा सबके मन को लुभा रही हैं ।

(2) वर्षा ऋतु में हवा और बादल का दृश्य कैसा था ?

उत्तर :- वर्षा ऋतु में बादल काले घने छाए हुए है जो अत्यंत मनोहर दिखाई दे रहे हैं। बादलों की गड़गड़ाहट के साथ ही बिजली भी चमक रही है। तेज हवाओं के चलने से वृक्षों की डालियां झुलती सी प्रतीत हो रही हैं। हवाएं ठण्डी चल रही है। यह दृश्य अत्यंत मनोहारी है ।

(3) उपमा अलंकार की दो उदाहरण दीजिए ?

उत्तर :- (1) दामिनी दमक रही धन माहीं

खल की प्रीति यथा थिर नाहीं

इस पंक्ति में (बिजली) की चमक को खल (दुष्ट) की प्रीति के समान अस्थिर बताया गया है।

"जब दो वस्तुओं मे समान गुण के कारण समता बताई जाती है तब उपमा अलंकार होता है।"

(2) पीपर पात सरिस मन डोला ।

अर्थात पीपल के पत्ते की तरह मन डोल रहा है। मन की चंचलता की तुलना पीपल के पत्ते के हिलने से की गई है अतः उपमा अलंकार है ।

(4) निम्नांकित उपसर्गो के योग से नए दो-दो शब्द बनाइए

अ, अनु, प्र, परि, अति

उत्तर :- अ - अगम, अटल

अनु - अनुचर, अनुकरण

प्र - प्रहार, प्रबल

परि - परिचालक, परिवहन

अति - अतिरिक्त, अतिशेष।

(5) भावार्थ लिखिए-

तालों मे जीव जलचर अति …… ……..आमोद छा रहा है।

उत्तर :- वर्षा ऋतु के आगमन से जल में रहने वाले सभी जीव आनंदित हो रहे हैं। देखो! पपीहे की भी तपन (ताप प्यास) बुझ गई। जंगल में मोर नाच रहे हैं। मेढ़क टर्र-टर्र सुमधुर गीत के समान लग रहे है। गुलाब के फूल खिल गये हैं और उनकी खुशबू सर्वत्र फैल गयी है। बगीचे में चारों ओर सुख और प्रसन्नता छा गई है।

पाठ 18

मितानी

लोककथा

उचित संबंध जोड़ो-

1. खोखमा - फांदा
2. मंजूर - निरमल
3. पानी - सुघ्घर
4. भौंरा - पांख
5. सिकारी - गीत

उत्तर:- 1. खोखमा - सुघ्घर

2. मंजूर - पांख

3. पानी - निरमल

4. भौंरा - गीत

5. सिकारी - फांदा।

अति लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. मंजूर हर अपन पाँख ल काबर छितराये हे?

उत्तर:- जब करिया-करिया बादर उमड़े-उमड़े त मंजूर ह अपन पाँख ल छितरा के झूम-झूम के नाचय।

2. तरिया के निरमल पानी में काय के फूल फूले रहय?

उत्तर:- तरिया के निरमल पानी में खोखमा के सुघ्घर फूल फूले रहे।

3. केछवा ह मंजूर ल पहिली बार देखके का कहिथे?

उत्तर:- केछवा ह मंजूर ल पहिली बार देखके कहिथे कि "वा भाई मंजूर तय तो बढ़िया नाचत हस अऊ तोर पाँख हर बहुत सुघ्घर सजे हे। लगथे अगास के चंदा चंदैनी हर पाँख म उतरे हे।

4. मंजूर ह सिकारी के फांदा मा कइसे फंसगे?

उत्तर:- एक दिन संझा सिकारी आके तरिया तीर मा अपन फांदा ल फैला दिस, बिहनिया ओमा मंजूर ह फंसगे।

5. कुलक गे के अर्थ बतावव?

उत्तर:- कुलक गे - खुश हुआ।

6. केछवा ह मोती ल तरिया म काबर फेंक दिस?

उत्तर:- केछवा ह सिकारी ल सबक सिखाय बर मोती ल तरिया म फेंक दिस।

लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. सिकारी ह मंजूर ल काबर छोड़ देथे?

उत्तर:- अपन मितान ल छोड़ाय के खातिर केछुवा ह सिकारी ल कहिथे "मंजूर ल छोड़बे त एकर बदला म तोला एक ठन बढ़िया चीज देहूँ"जेन ल बेच के तोर परिवार बर दार-चाऊँर बिसा लेबे। अऊ ओहा एक ठन मोती ओला दिस।

2. अपन मितान ल छोड़ाय के खातिर केछवा ह सिकारी ल का कहिथे?

उत्तर:- अपन मितान ल छोड़ाय के खातिर केछवा ह सिकारी ल का कहिथे "तैं तो मोर मितान ल फांदा मा फोकट फँसाय हस। एला मार के का करबे?"

3. मंजूर सहि कहूँ तुम्हर मितान कोनों मुसीबत में फँस जाही त तुमन ओला उबारे बर का उदिम करहू? सोच के लिखव।

उत्तर:- हमर मितान ह कोनों मुसीबत में फँस जाही त हमन ओला उबारे बर समय अनुसार निरनय लेके जैसे केछुआ हर मंजूर के जान बचाइस, वइसने हमूं अपन मितान के मुसीबत में मदद करबो।

4. आखिर में केछुवा ल कोन से उपाय सुझिस अऊ का करिस ?

उत्तर :- आखिर म केछुवा ल एक उपाय सुझिस अऊ ओ सिकारी ल कथे - सिकारी भइया। ओइसनेच मोती लाने खातिर पहिली वाले मोती के नाप-जोख करे बर परही, तउले बर परही। मैं तोला ओइसनेच मोती दे बर तियार हँव फेर पहिली वाले मोती ल लान के तैं मोला दें दे।

5. खाल्हे लिखाय शब्द मन ल "ई"अऊ "ता"प्रत्यय लगाके बनावव-

   बीमार, सच्चा, विमुख ,शिष्ट

उत्तर :- बीमार - बीमारी
सच्चा - सच्चाई
विमुख - विमुखता
शिष्ट - शिष्टता

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

(1) खाल्हे लिखाय मुहावरा मन के अर्थ लिखव अऊ
अपन वाक्य म प्रयोग करव-

पोटा कांपना, करलइ होना, असमंजस में परना, लालच म परना

उत्तर:- (1) पोटा कांपना - डर लगना ।

वाक्य- शेर ल देखके मोर पोटा कांपे लागिस।

(2) करलइ होना - दुखी होना ।

वाक्य- सिकारी के जाल में फंदाके मँजूर के करलइ होगे।

(3) असमंजस में परना - आश्चर्य चकित होना ।

वाक्य- कुतुबमीनार के ऊंचाई ल देखके मैं असमंजस म पर गेंव।

(4) लालच म परना - लोभ करना ।

वाक्य- मोती देखके सिकारी लालच म परगे ।

(2) खाल्हे लिखाय शब्द मन के हिन्दी मे अर्थ लिखव अऊ ओकर उल्टा शब्द लिखव-

उत्तर :- शब्द हिन्दी अर्थ विलोम

मितानी	मित्रता	शत्रुता
खुश	प्रसन्न	अप्रसन्न
चतुरा	होशियार	मूर्ख
बिसाना	खरीदना	बेचना
तीर	पास	दूर ।

(3) सिकारी के लालच बढ़े के का कारण रहिस?

उत्तर :- जब सिकारी ह मोती ल घर लेगिस अऊ अपन बेटा ल देखाइस त ओला ले बर दुनों झन झगरा होय लागिन । ऊँकर मनके झगरा ल देख के सिकारी ह सोचिस- मोती ह बड़ कीमती हे , एला नइ छोड़त बने, अउ छोडत हँव त घर म झगरा हे। "ऐ ही सोच के ओकर मन म आइस कि ओइसनेच एक मोती अउ चाही ।"

(4) सिकारी ह काबर पछतावत रहिगे?

उत्तर :- जब सिकारी ह केछुवा ल मोती लान के दिस त ओह ओला पानी म फेंक दिस अउ सिकारी ल कहिस तैंय एक मोती लेवस नहीं अउ मय दू मोती देवँव नहीं। आज तैंय बेटा मन के खातिर फाँदा डारे हस। काली अपन घर गोसइन के कहे म फाँदा डारबे। परन दिन अपन परोसी मन के खातिर इही बूता करबे । तोर लालच बाढ़तेच रही । अइसने कहिके केछुवा ह पानी भीतर डुबकी मार दिस अऊ सिकारी ह पछतावत रहिगे ।

(5) खाल्हे लिखाय कथन ल कोन ह काखर ले किहिस-

1. "मितान लकठा म आके नाचव न, काबर के तुंहर नचई हर मोला नीक लाग थे।"

उत्तर:- केछवा ह अपन मितान मँजूर ले कहिस।

2. "तोर मितानी अऊ मया म परान गंवा डारहूँ तइसे लागथे।"

उत्तर:- मँजूर ह अपन मितान कछवा ले कहिस।

3. फंसालेव नहीं त का करतेंव। ये हर मोर धंधा आय।

उत्तर:- सिकारी ह कछवा ल कहिस।

(6) ये पाठ के कहानी म का संदेश दे गेहे?

उत्तर :- ये पाठ के कहानी म ये संदेश देगे हे कि मितान के विपत्ति म सहायता करना सच्चा मितान के फरज होथे।

दूसर संदेश ये हे काखरों संग विश्वासघात नही करना चाही अउ लोभ के फल ह बुरा होथे।

पाठ 19

शहीद बकरी

श्री अयोध्या प्रसाद जी

निम्नलिखित खाली स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. हरे-भरे पहाड़ पर..... चरने जाती थी।
   (गायें/बकरी)

   उत्तर:- बकरी।

2. शहीद बकरी के कहानी के कहानीकार..... हैं (अयोध्या प्रसाद गोयलीय / रवीन्द्र नाथ टैगोर)
   उत्तर:- अयोध्या प्रसाद गोयलीय।

3. पर्वत राज का पर्याय शब्द ..... है।
   (गिरि ,देवराज)

   उत्तर :-गिरि।

4. अकर्मण्ता का अर्थ ..... होता है।
   (निकम्मापन / पागलपन)

   उत्तर :- निकम्मापन।

5. धूर्तता का विलोम शब्द ..... होता है।
   (मित्रता / साधुता)

   उत्तर :- साधुता।

अति लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. बकरियों ने कैद में रहकर जुगाली करना क्यों उचित समझा ?

   उत्तर :- भेड़िये के अत्याचार से बचने के लिए बकरियों ने कैद में ही रहकर जुगाली करना उचित समझा ।

2. युवा बकरी ने भेड़िये पर किस तरह वार किया ?

उत्तर :- युवा बकरी ने भेड़िये को जोर से टक्कर मारी, भेड़िया संभल न सका। इसी तरह युवा बकरी ने भेड़िया को टक्कर मारकर वार किया ।

3. तोते ने मुस्कुराते हुए मैना से क्या सवाल पूछा और क्यों ?

उत्तर :-तोते ने मुस्कुराते हुए मैना से यह सवाल पूछा कि बकरी को भेड़िया से भिड़कर क्या मिला क्योंकि बकरी मारी गई थी।

4. युवा बकरी के द्वारा भेड़िये पर पहले ही आक्रमण करने के पीछे क्या कारण रहे होंगे ?

उत्तर :- भेड़िये की लाल आंखें, लपलपाती जीभ और आक्रमणकारी चाल को समझने के कारण बकरी ने भेड़िये पर आक्रमण कर दिया।

5. आपकी समझ में भेड़िये से भिड़कर अपनी जान गंवाने वाली युवा बकरी को क्या मिला ?

उत्तर :- वह भेड़िये के दांव पेंच देखना चाहती थी और बहादुरी के साथ लड़ते हुए अपनी जान गंवा बैठी। इससे उसे सकून मिला।

6. ये वाक्य किसने किससे कहा-

"वही जो अत्याचारी का सामना करने पर पीड़ितों को मिलता है। "

उत्तर:- यह वाक्य मैना ने तोते से कहा ।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. युवा नई बकरी को बाड़े का बंधन पंसद क्यों नहीं आया?

उत्तर:- युवा नई बकरी को बाड़े का बंधन इसलिए पसंद नहीं आया क्योंकि वह स्वतंत्रता प्रिय तथा साहसी थी। वह भेड़िये की डर से बाड़े पर दुबककर नहीं रहना चाहती थी।

2. भेड़िये ने बकरी को जाल मे फंसाने के लिए क्या प्रलोभन दिया ?

उत्तर :- भेड़िये ने बकरी को अपने जाल में फंसाने के लिए प्रलोभन दिया कि मुझे तुम्हारे जैसी साथिन की आवश्यकता थी। मैं कई रोज से अकेलापन महसूस कर रहा था। साथ-साथ पर्वत राज की सैर करेंगे।

3. यदि अन्य बकरियाँ उस युवा बकरी का साथ देती तो आप के अनुसार भेडिये और बकरी के बीच के संघर्ष का परिणाम क्या होता ?

उत्तर :- यदि अन्य बकरीयां युवा बकरी का साथ देती तो हमारे अनुसार बकरी और भेड़िये के बीच संघर्ष का परिणाम यह होता सब मिल कर भेड़िये को मार देती और बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने के बजाय पहाड़ पर निशंक और स्वच्छंद विचरती रहती।

4. इन शब्दों के हिन्दी रुप लिखिए-

नजर, खून, दररव्त, अरमान, हसरत

उत्तर :- नजर - दृष्टि
खून - लहू
दररव्त - वृक्ष
अरमान - इच्छा।

5. "भाग्य सदैव से भोगने के लिए उत्पन्न होते रहते हैं"से क्या अर्थ है?

उत्तर :- उपरोक्त पंक्ति का तात्पर्य है कि उपभोग की वस्तुओं का सदैव उपभोग किया जाता है क्योंकि वो उसी के लिए निर्मित हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. निम्नलिखित विशेषण से भाव वाचक संज्ञा बनाइए- (उदाहरण ई, ता प्रत्यय लगाकर)

सफल, बेईमान, कटु, मित्र, अकर्मण्य, नादान, सावधान

उत्तर :- सफल - सफलता
बेईमान - बेईमानी
कटु - कटुता
मित्र - मित्रता
अकर्मण्य - अकर्मण्ता
नादान - नादानी
सावधान - सावधानी।

2. मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए-
    1) औंधे मुंह गिरना
    2) अपना सा मुहं लेकर रह जाना
    3) टूट पड़ना
    4) लहूं मे उबाल आना

उत्तरः- 1) औंधे मुंह गिरना - बुरी तरह पड़ना ।

वाक्य- युवा बकरी की टक्कर से भेड़िया <u>औंधे मुंह गिरते-गिरते</u> बचा ।

2) अपना सा मुँह लेकर रह जाना- अपमानित होना ।

वाक्य - उषा ने जब उर्वशी को पुस्तक देने से इन्कार कर दिया तो वह बेचारी <u>अपना सा मुंह लेकर</u> रह गई ।

3) टूट पड़ना - हमला करना ।

वाक्य- बिल्ली चूहे पर <u>टूट पडा</u>।

4) लहूं में उबाल आना - अत्याधिक जोश आना।

वाक्य- पाकिस्तान की करतूत से भारतीयों के <u>लहू में उबाल आ गया</u> ।

3. अत्याचारी से कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी?

"तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है?"

इसी तरह के पांच वाक्य बनाइए। इस पाठ (शहीद बकरी) के आधार पर?

प्रश्न वाचक वाक्य-

उत्तर :- 1. अकेली बकरी उसका कब तक मुकाबला करती ?

2. भेड़िये से भिड़कर भला बकरी को क्या मिला ?

3. भेड़िया कहां रहता था ?

4. बकरी कैसी मरी ?

5. पेड़ पर बैठे हुए तोते ने मैना से क्या पूछा ?

6. बकरियां कहां चरने जाती थीं ?

4. निम्नलिखित प्रश्नो पर अपने विचार लिखिए-

(क) पाठ का शीर्षक "शहीद बकरी"क्यों रखा गया है? शहीद शब्द किसके लिए प्रयोग किया जाता है?

उत्तर:- बकरी ने अत्याचारी का विरोध करते हुए प्राण दे दिये इसीलिए पाठ का शीर्षक "शहीद बकरी"रखा गया है। शहीद शब्द का प्रयोग जो देश और समाज के लिए प्राण देता है उसके लिए किया जाता है ।

(ख) युवा बकरी ने जो किया वह आपकी समझ में उचित था या अनुचित? कारण सहित स्पष्ट कीजिए?

उत्तर:- युवा बकरी ने जो किया वह मेरी समझ में उचित था। कारण कि अन्याय करने की बजाय अन्याय सहना पाप हैं। इसलिए युवा बकरी ने जो किया वह उचित किया।

पाठ 20

लक्ष्य बेध

श्री राम नाथ "सुमन"

सही या गलत का निशान लगाइए-

1. किसी भी लक्ष्य की प्रासि के लिए लक्ष्य बेध आवश्यक नहीं है ।
2. लक्ष्य बेध पाठ के लेखक का नाम राम नाथ सुमन हैं ।
3. तन्मयता का अर्थ है कि जो लक्ष्य है उसी से आप भर जाएं उसी में लीन हो जाए ।
4. ताना जी के छोटे भाई का नाम बिम्बाजी था ।
5. लक्ष्य बेध पाठ में अर्जुन का जवाब ही उसकी लक्ष्य के प्रति तन्मयता को सिद्ध करता हैं ।

उत्तर:- 1) किसी भी लक्ष्य की प्रासि के लिए लक्ष्य बेध आवश्यक नहीं है। (×)

2) लक्ष्य बेध पाठ के लेखक का नाम श्री राम नाथ "सुमन"हैं। (√)

3) तन्मयता का अर्थ है कि जो लक्ष्य है उसी से आप भर जाए उसी मे लीन हो जाए। (√)

4) ताना जी के छोटे भाई का नाम बिम्बाजी था।(×)

5) लक्ष्य बेध पाठ मे अर्जुन का जवाब ही उसकी लक्ष्य के प्रति तन्मयता को सिद्ध करता है।(√)

अतिलघु त्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न 1. लेखक के अनुसार लक्ष्य बेध का मूल मंत्र क्या है ?

उत्तर:- लेखक के अनुसार लक्ष्य बेध का मूल मंत्र 'तन्मयता'हैं क्योंकि इसका अर्थ है कि जो लक्ष्य है उसी में लीन हो जाएं ।

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार लक्ष्य बेध के लिए क्या आवश्यक हैं ?

उत्तर :-लेखक के अनुसार लक्ष्य बेध के लिए "तन्मयता "आवश्यक है ।

प्रश्न 3. कुतुबनुमा की सुई हमें क्या सीख देती है ?

उत्तर :- कुतुबनुमा की सुई हमें एक दिशा और एक लक्ष्य में केन्द्रित होने की सीख देती है।

प्रश्न 4. किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में तन्मयता की क्या भूमिका है ?

उत्तर:- किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में तन्मयता का होना नितांत आवश्यक है। मन की संपूर्ण चेतना व इच्छा शक्ति का किसी एक कार्य या दिशा में केन्द्रित कर देना ही तन्मयता है।

प्रश्न 5. अर्जुन के आचार्य का क्या नाम था?

उत्तर :- अर्जुन के आचार्य का नाम द्रोणाचार्य था।

लघुतरीय प्रश्न :-

1. पाठ में तन्मयता के उदाहरण कौन-कौन से हैं?

उत्तर:- पाठ में तन्मयता के दो उदाहरण हैं जो ऐतिहासिक हैं-

(1) अर्जुन का चिड़िया की आंख पर निशाना लगाना ।

(2) सिंह गढ़ पर मराठों की विजय प्राप्त करना ।

2. संसार में काम करने वाले कैसे-कैसे लोग हैं ?

उत्तर:- संसार में काम करने वाले बहुत हैं। काम को बोझ समझकर करनेवाले और भी अधिक हैं, पर लक्ष्य प्राप्ति के प्रति समर्पित होकर उसमें एक निष्ठ होकर काम करने वाले बहुत कम हैं।

3. विलोम शब्द लिखिए-

असफलता, केन्द्रित, मतलब, विजय

उत्तर:- असफलता - सफलता

केन्द्रित - विकेंद्रित

मतलब - बेमतलब

विजय - पराजय ।

4. इक प्रत्यय का प्रयोग कर शब्द बनाइए-

स्वभाव, तर्क, अलंकार, न्याय, वेद, व्यापार

उत्तर :- स्वभाव - स्वभाविक

तर्क - तार्किक

अलंकार - अलंकारिक

न्याय - न्यायिक

व्यापार - व्यापारिक ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए-

1) तन्मयता का अर्थ है ..... चारों ओर वही वह हो ।

संदर्भ- प्रस्तुत गद्यांश पाठ्य पुस्तक भारती के पाठ 20 "लक्ष्य बेध"से लिया गया है। यह एक संकलित पाठ हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने 'तन्मयता'को स्पष्ट किया है ।

अर्थ- लेखक कहते है कि तन्मयता का अर्थ है कि आपने जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसी में आप समा जाये, उसी में तल्लीन हो जाये,आपका लक्ष्य आप में इस तरह समाहित हो जाए कि आपका प्रत्येक कार्य लक्ष्य प्राप्ति के लिए ही हो। सोते, जागते, उठते, बैठते सभी समय सभी दिशाओं में आपका लक्ष्य ही आपको दिखना चाहिए ।

2. पाठ में समानोच्चारित शब्द का प्रयोग हुआ है

जो शब्द सुनने व उच्चारण करने में समान प्रतीत होते हैं किंतु उनके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं। जैसे- और (तथा), ओर (तरफ), चौंक चौंराहा, चौक (चौंक जाना) ऐसे ही समान उच्चारण वाले शब्दों को पाठ से चयन कर लिखिए।

उत्तर:- 1) अवधि - (समय) ->सीमित **<u>अवधि</u>** में ही कार्य पूर्ण करना है ।

अवधी - (एक भाषा) ->अवध में **<u>अवधी</u>** बोली जाती है।

2) गाड़ी - (वाहन) ->किसान **<u>बैलगाड़ी</u>** का प्रयोग करते हैं।

गाढ़ी - (मेहनत) ->मैंने **<u>गाढी</u>** मेहनत से यह घर बनवाया है।

3) प्रमाण - (सबूत) ->तुम्हारे पास क्या **<u>प्रमाण</u>** हैं ।

प्रणाम - (अभिवादन) ->बड़ों को **<u>प्रणाम</u>** करना चाहिए ।

4) उत्तर - (जवाब) ->इन प्रश्नों के **<u>उत्तर</u>** लिखिए।

उतर - (उतरना) ->वह गाड़ी से **<u>उतर</u>** गई ।

3. प्रसिद्ध धनुर्धर अर्जुन के लक्ष्य बेध के बारे मे कौन सी कथा है?

उत्तर:- राजकुमारों की बाल विद्या समाप्त होने के बाद आचार्य उन्हें एक वनस्थली में ले गए तथा एक वृक्ष के ऊपर बैठी चिड़िया की आंखों की पुतली के लक्ष्य बेध का निश्चय किया। आचार्य ने शिष्यों से प्रश्न किया तुम्हें क्या दिखाई देता है? सबने अलग-अलग उत्तर दिए पर अर्जुन ने कहा 'गुरुदेव' मुझे सिवाय चिड़िया की आंख की पुतली के और कुछ दिखलाई नहीं देता। द्रोणाचार्य ने शिष्य की पीठ थपथपाई और आशीर्वाद दिया। अर्जुन परीक्षा में सफल हुए।

4. 'तन्मयता' का अर्थ लेखक ने क्या बताया है?

उत्तर:- तन्मयता का अर्थ है जो लक्ष्य है उसी मे लीन हो जाएं सोते, जागते, उठते, बैठते, चलते-फिरते प्रत्येक क्रिया में केवल वह निर्धारित लक्ष्य ही आपको दिखे। आपका पूरा ध्यान उसी मे केन्द्रित हो। यही तन्मयता है।

5. दिये गए शब्दों से नीचे लिखे वाक्यों के रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

तन्मय, लक्ष्य, निरर्थक, समर्पित, केन्द्रित

उत्तर:- 1. जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति <u>समर्पित</u> होता हैं वही सफलता पाता है ।

2. शक्ति <u>केन्द्रित</u> करके उस शक्ति से संसार को हिलाया जा सकता है।

3. जिस व्यक्ति ने अपना <u>लक्ष्य</u> केन्द्रित कर लिया है, अपने जीवन की एक बड़ी कठिनाई दूर कर ली है।

4. पर जीवन में सफलता का एक मंत्र है जो कभी <u>निरर्थक</u> नहीं हुआ ।

5. जब हम अपने लक्ष्य में <u>तन्मय</u> हो जाते हैं तब हमें और कुछ दिखाई नहीं देता ।

पाठ 21

सुवागीत

लेखक-मंडल

हाँ या नहीं म उत्तर लिखव-

1. सुवागीत म ढोलकी ले ताल दे जाथे।

उत्तर:- नही।

2. सुआ नाच-गीत ह नारी परानी के गीत आय।

उत्तर:- हाँ।

3. सुआ नाच-गीत म माटी के सुआ बनाय जाथे।

उत्तर:- हाँ।

4. सुआ नचइया मन घर-मालकिन ल आसीस देथे।

उत्तर:- हाँ।

5. सुआ गीत म नारी परानी के हिरदे के पीरा हर होथे।

उत्तर:- हाँ।

6. सुआ-दल म दू-तीन झन मनखे होथें।

उत्तर:- नहीं।

7. सुआ नचइया मन घरो-घर जाथें।

उत्तर:- हाँ।

अति लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. कइसने गीत ला लोकगीत कहिथें।
   (लोकगीत किस तरह के गीत को कहते हैं?)

उत्तर:- लोकगीत ओला कहिथें जेन ह तइहा जुग ले मुंह अखरा लोक जीवन म रचे बसे हे अउ आज ले ए हा मुंह अखरा चले आवत हे।

2. हमर छत्तीसगढ़ में गाए जाने वाले लोकगीत मन के नाँव लिखव।

(हमारे छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकगीत के नाम बताओ।)

उत्तर:- हमर छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकगीत सुवा, करमा, ददरिया, भोजली, गउरा अउ डण्डागीत मन आय।

3. सुवानाच म माटी के सुवा काबर बनाय जाथे?
(सुवानाच में मिट्टी के सुवा क्यों बनाया जाता है?)

उत्तर:- सुवानाच म माटी के सुवा एकर बर बनाय जाथे कि तइहा जुग म मिट्ठू ले संदेश पठोय जात रहिस।

4. सुवा नचइया मन घर मालकिन ल का आसीस देथें?

उत्तर:- सुवा नचइया मन गीत गाके सुख, शांति अऊ बहुत-बहुत फूले-फले के आसीस देथें।

लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. सुवागीत ह नारी परानी के गीत काबर माने गेहे?

उत्तर:- सुवा नाच, गीत व नारी परानी के पीरा के गीत कहे गेहे, काबर के सुवागीत म ओकर अंतस के पीरा अऊ ओखर जिनगी के दुख दरद जादा सुने बर मिलथे।

2. सुवागीत के चार पंक्ति लिखव जेमा नारी परानी के हिरदे के पीरा परगट होथे।

उत्तर:- तरी हरी नाना मोर नाह नारी ना ना रे

सुवा मोर के तिरिया जनम झनि देय,

तिरिया जनम मोर मउ के बरोबर रे सुवना

जहां रे पठोय तिंहा जाय ना रे सुवना।

3. सुवागीत म कथा गीत के उदाहरण लिखव।

उत्तर:- जैसे- अमरचंद, राम वनवास, सीता हरण, कलिया दहन, मोर ध्वज, सूरजा रानी आदि।

4. सुवा नचइया मन घरों-घर जाथे। ओमन ला देखके आप मनके मन में का-का भाव उठथे, लिखव?

उत्तर:- सुवा नचइया मन घरों-घर जाथे, ता हमर मन म भाव आथे ओमन कतका सुघ्घर नाचथे बिन बाजा गाजा के एखर मन के नाच ह बने लगथे अऊ मन म खुशी लागथे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. सुवागीत ल सुवागीत काबर कहिथे ?

उत्तर:- सुवा मिट्ठू ल केहे जाथे। तइहा जुग म मिट्ठू ले संदेशा पठोय जात रिहिस। सुवागीत म नारी परानी मन अपन अतंस के मया पीरा ल उदगारथे अउ सुवा ले संबोधित करके गाथें। एखर कारन ये गीत ल सुवागीत कहिथे।

2. "दुख-दरद"अऊ "मान-गउन"शब्द मन ऊपर ध्यान देवव। ये मन जोड़ी वाला (शब्द-युग्म) शब्द आय। पांच ठन जोड़ी वाला (शब्द-युग्म) शब्द सोच के लिखव अउ वाक्य प्रयोग करव।

उत्तर:- 1) फूल-पान ->घर के आघू म फूल-पान के दुकान हे।

2) कांटा-खूटी ->मंदिर जाय के रद्दा म गजब कांटा-खूंटी हे।

3) रोटी-पीठा ->देवारी म घर-घर रोटी-पीठा बनथे।

4) लेन-देन ->लेन-देन बर काली जुवार बजार जाबो।

5) तिहार-बार ->तिहार-बार म इसकुल नइ लगे।

3. ये पाठ म 'नोहे'शब्द के प्रयोग करे गेहे। ये शब्द ह 'नइ'अउ 'हवय'के मेल ले बने हे। अइसने अऊ शब्द हे- नइहे (नइ + हे), थोकिन (थोर + किन) अइसन शब्द मन मुंह ला सुख दे खातिर अउ समय ल बचाय बर अपने आप बनत रहिथे।
   ऊपर के उदाहरण असन पांच शब्द खोज के लिखव-

उत्तर:- 1) बडेजान - तरिया पार म बर के बड़ेजान पेड़ हे।

2) नानकन - नानकन पेड़ में कतेक जाम फरे हे।

3) झटकुन - पांच बज गे झटकुन घर जाबो।

4) थोकिन - घर ह गांव ले थोकिन दुरिहा हे।

5) नइहे - राजू के घर म टी.वी. नइहे।

4. सुवानाच कब नाचे जाथे अउ कोन तरह ले नाचे जाथे?

उत्तर:- सुवा नाच कातिक महिना म देवारी तिहार के दू-चार दिन आगू ले नाचे जाथे। नारी परानी मन माटी के सुवा बनाके ओला टुकनी म रखथे। टुकनी के सुवा ल मंझोत में मढ़ा के नारी परानी मन गोल घेरा बनाके थपोली अउ सुवागीत गा के नाचथें।

पाठ 22

सुब्रह्मण्य भारती

लेखक-मंडल

(सुब्बैया, तमिल, उत्कट, भारती मंडप, तमिलनाडु)

1. सुब्रह्मण्य भारती बींसवी सदी के महान _____ कवि थे।
2. आधुनिक इतिहास में एक _____ देशभक्त के रूप लिया जाता है।
3. बचपन में भारती को_____ कहकर पुकारा जाता था।
4. _____ की राजभाषा तमिल है।
5. सुब्रह्मण्य भारती की याद में एट्टयपुरम में _____ स्थापित किया गया है।

उत्तर:- 1) तमिल (2) उत्कट (3) सुब्बैया (4) तमिलनाडु (5) भारती मंडप ।

अति लघुत्तरीय प्रश्न:-

1. सुब्रह्मण्य भारती को बचपन में किस नाम से बुलाते थे?

उत्तर:- सुब्रह्मण्य भारती को बचपन में सुब्बैया कहकर बुलाते थे।

2. सुब्रह्मण्य भारती किस सदी के महान कवि थे?

उत्तर:- सुब्रह्मण्य भारती बींसवी सदी के महान कवि थे।

3. सुब्रह्मण्य भारती के माता व पिता का नाम बताइए?

उत्तर:- सुब्रह्मण्य भारती के माता का नाम लक्ष्मी अम्माल व पिता का नाम चिन्नास्वामी अय्यर है।

4. सुब्रह्मण्य भारती ने कहां संपादक की हैसियत से नौकरी की?

उत्तर:- सुब्रह्मण्य भारती चेन्नई में प्रसिद्ध तमिल दैनिक 'स्वदेश मित्रन'में सहायक संपादक के तौर पर नौकरी की।

5. कांग्रेस के एक उग्र पंथ के नेता का नाम बताओं?

उत्तर:- कांग्रेस के उग्र पंथ के नेता बाल गंगाधर तिलक थे।

लघुत्तरीय प्रश्नः-

1. भारती अपने लेखन में अक्सर किस बात को व्यक्त करने पर जोर दिया करते थे?

उत्तरः- भारती अपने लेखन में अक्सर यह बात व्यक्त करते थे कि समस्त जीवित प्राणी उस सर्वोच्च शक्ति की अनुपम रचना है और उसकी नजर है और उसकी नजर में हम सब बराबर हैं।

2. महात्मा गांधी ने भारती के बारे में क्या कहा था?

उत्तरः- महात्मा गांधी ने भारती के बारे में कहा, भारती देश का एक ऐसा रत्न है जिसकी सुरक्षा और संरक्षण करना चाहिए।

3. भारती ने स्वतंत्र भारत में कैसे लोगों की कल्पना की थी?

उत्तरः- भारती ने स्वतंत्र भारत में ऐसे लोगों की कल्पना की थी जो उच्च विचारों को आत्मसात कर उन्हें बढ़ावा दे। वे सहज ही पिछड़ी जाति के हिन्दुओं और मुसलमानों से हिल मिल जाते थे।

4. हाथी के हमले के समय भारती को क्यों कोई बचा नही पाया?

उत्तरः- क्योंकि हाथी मस्ती में था, कोई हिम्मत नहीं जुटा पाया। सब डर रहे थे कि वह घायल न कर दें।

5. भारती स्वयं का साप्ताहिक अखबार क्यों निकालने लगे?

उत्तरः- भारती के दृढ़ उग्रवादी विचारों को कोई भी छापने को तैयार नहीं था क्योंकि वे सरकार के क्रोध से डरते थे, इसलिए उन्होंने स्वयं का साप्ताहिक अखबार 'इंडिया'निकालने का विचार किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. सुब्बैया का नाम 'भारती'कब और क्यों पड़ा?

उत्तरः- एट्टयपुरम के राजा ने ग्यारह वर्षीय सुब्बैया को दरबार में कविता पाठ करने के लिए आमंत्रित किया। राजा के दरबार में एकत्रित हुए विख्यात कवि उनका कविता पाठ

सुनकर दंग रह गये। उन्होंने उन्हें 'भारती'की उपाधि से सुशोभित किया। इस तरह वे सुब्रह्मण्य भारती के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

2. बाक्स में कुछ शब्द और उनके समानार्थी दिए गए है उनकी सही जोड़ी बनाइए-
   [स्वतंत्र, समुद्र, निलय, मनुष्य, भारती, वाराणसी, सरस्वती, जगत, वसुधा, निर्बल, आजाद, सागर, बनारस, भव, धरती, क्षीण]

उत्तर:- स्वतंत्र - आजाद,
समुद्र - सागर,
वाराणसी - बनारस,
निलय - गृह,
जगत - भव,
मनुष्य - मानव,
वसुधा - धरती,
निर्बल - क्षीण,
भारती - सरस्वती।

3. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-
   ऐसा प्रतीत होता है कि अनन्त लहरों का लयबद्ध नाद उनकी कविताओं को गुनगुना रहा है।

संदर्भ:- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक भारती में संकलित पाठ सुब्रह्मण्य भारती नामक पाठ से लिया गया है।

व्याख्या:- लेखक कहता है कि सम्पूर्ण तमिल प्रान्त वासियों को राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाने वाले तथा स्वाधीनता संग्राम में योगदान के लिए प्रेरित करने वाले भारती जी को चेन्नई समुद्र तट पर स्थापित प्रतिमा को देखकर उनके वे राष्ट्रीय भावना को जगाने वाले गीतों की याद सहज रूप में ताजी हो उठती है। तब अटठखेलियां करती हुई बार-बार समुद्र तट से टकराती हुई समुद्र की लहरें लयबद्ध नाद करती हुई भारती जी के गीतों को गुनगुनाती हुई प्रतीत होती है।

अपठित गद्यांश

1. निम्न गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

"भोजन सामाग्री की भांति कुछ पुस्तकें अच्छी होती है, कुछ बुरी। प्रतिकूल भोजन के समान निकृष्ट पुस्तकें त्याग देनी चाहिए, जिन पुस्तकों की विषयवस्तु दूषित होती हैं, शब्दावली आडम्बरपूर्ण होती हैं, वे हानिकारक होती हैं। अध्ययनशील व्यक्ति का कर्तव्य हैं, जो कोई पुस्तक हाथ लगे, उसे पढ़ना मात्र नहीं है बल्कि अच्छी और सुरुचिपूर्ण पुस्तकें चयन कर पढ़ना है।

(अ) किस प्रकार की पुस्तकें हानिकारक होती हैं?

(ब) अध्ययनशील व्यक्ति का क्या कर्तव्य है?

(स) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(द) कैसी पुस्तकें त्याग देनी चाहिए?

उत्तरः- (अ) जिन पुस्तकों की विषयवस्तु दूषित तथा शब्दावली आडम्बरपूर्ण है, वे पुस्तकें हानिकारक होती हैं।

(ब) अध्ययन शील व्यक्ति का कर्तव्य अच्छी, उपयोगी तथा सुरुचिपूर्ण पुस्तकों का चयन कर पढ़ना है। हर प्रकार की पुस्तक पढ़ना अध्ययन शील व्यक्ति के लिए उचित नहीं है।

(स) गद्यांश का शीर्षक - अच्छी पुस्तकों का अध्ययन।

(द) निकृष्ट पुस्तकें त्याग देनी चाहिए।

2. स्वतंत्रता मिलने के बाद स्वतंत्रता का आंदोलन समाप्त हो गया, परन्तु राष्ट्रभाषा का आंदोलन आज भी चल रहा है। और उस समय तक चलता रहेगा, जब तक कि समस्त देश एक भाषा के सुवर्ण सूत्र में आबद्ध नही हो जाता और वह सूत्र एक भाषा का है, हिन्दी के लिए हिन्दी का। हमें हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए काम करना चाहिए ताकि राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मानजनक स्थान मिल सकें। हिंदी को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है।

(अ) गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

(ब) गद्यांश का सारांश अपनी भाषा में लिखिए।

(स) किस भाषा को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है?

उत्तरः- (अ) राष्ट्रभाषा हिंदी।

(ब) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रभाषा का आंदोलन जब तक एकता के सूत्र में बंध सके तब तक चलता रहेगा। हिंदी को ही राष्ट्रभाषा संविधान द्वारा घोषित किया गया है।

(स) हिंदी को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है।

3 मानव जीवन में उत्तरदायित्व का विशेष स्थान है। अवगुणों को दूर करने के लिए एवं जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उत्तरदायित्व का ज्ञान होना अति आवश्यक है। उत्तरदायित्व आ जाने पर मनुष्य बुद्धिमान हो जाता है। उदाहरण के लिए बुरी आदतों वाले लोग शिक्षक जैसे पद को प्राप्त कर अपनी बुरी आदतों को छोड़ देते हैं। इसी प्रकार उदण्ड नवयुवक भी गृहस्थी का भार आ जाने पर विचारशील बन जाते हैं।

(अ) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है?

(ब) लोग अपनी बुरी आदतों को कब छोड़ देते हैं?

(स) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए?

उत्तरः- (अ) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उत्तरदायित्व का होना आवश्यक है।

(ब) शिक्षक जैसे पद को पाकर लोग अपनी बुरी आदतों को छोड़ देते है।

(स) उत्तरदायित्व का महत्व।

4. कक्षा में और बाहर संयम से रहना, गंभीरतापूर्वक अध्ययन, अध्यापकों के प्रति आदर भाव एवं पारस्परिक व्यवहार में शालीनता के द्वारा जीवन में अनुशासन की अभिव्यक्ति होती है। बड़ो के प्रति दया, अपने सभी काम को समय पर करने, अच्छी आदतों को वहन करने, त्याग सेवा, सहानुभूति, विनय आदि गुणों को धारण करने पर विद्यार्थी अनुशासन का पर्याय बन जाता है।

(अ) उचित शीर्षक दीजिए।

(ब) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

(स) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की अभिव्यक्ति किस प्रकार हो सकती है?

उत्तर:- (अ) शीर्षक - विद्यार्थी और अनुशासन।

(ब) सारांश - अध्ययन आदर भाव एवं शालीन व्यवहार से विद्यार्थियों का अनुशासन व्यक्त होता है। अच्छी आदतों को ग्रहण करने पर विद्यार्थी अनुशासन का पर्याय बन जाता है।

(स) कक्षा में और बाहर संयम से रहना, गंभीरतापूर्वक अध्ययन, अध्यापकों के प्रति आदर भाव एवं पारस्परिक व्यवहार में शालीनता के द्वारा जीवन में अनुशासन की अभिव्यक्ति होती है।

5. मनुष्य के लिए प्रतिभा नही, दृढ़ निश्चय आवश्यक है। इसके द्वारा ही वह अपने उद्देश्य की प्राप्त कर सकता है। यह स्पष्ट है कि आंख बंदकर फेंका हुआ और अपना लक्ष्य नही बेध सकता। भला आप उस व्यक्ति के बारे में क्या सोचेंगे जो गाड़ी में सवार होने के लिए स्टेशन पर पहुंचा हुआ है पर जिसे यह नहीं मालूम कि उसे कहां जाना है। अतः हम अपनी उन बंद आँखों को खोल लें, दृढ़ निश्चय कर उद्देश्य की ओर चल पड़ें। उस महाराणा प्रताप की तरह जो सत्ताईस वर्षों तक वनों में भटकने के बाद अपने लक्ष्य को पाने में सफल रहे।

(अ) उपर्युक्त शीर्षक दीजिए।

(ब) मनुष्य अपने उद्देश्य को किस प्रकार प्राप्त कर सकता है?

(स) उद्देश्यहीन जीवन की तुलना किससे की गई है?

(द) अपने शब्दों में सारांश लिखिए।

उत्तर:- (अ) शीर्षक - "दृढ़ निश्चय"।

(ब) मनुष्य अपने उद्देश्य को दृढ़ निश्चय के द्वारा प्राप्त कर सकता है।

(स) उद्देश्यहीन जीवन की तुलना उस व्यक्ति से की गई है जो गाड़ी में सवार होने के लिए स्टेशन पर पहुंचा हुआ है लेकिन उसे यह नहीं मालूम कि उसे कहां जाना है?

(द) सारांश- मनुष्य के लिए दृढ़ निश्चय आवश्यक है इसके द्वारा वह महाराणा प्रताप की तरह अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है।

पत्र लेखन

1. आपके पिताजी का स्थानांतरण बिलासपुर हो गया है। इस कारण अपने प्रधान पाठक को स्थानांतरण प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पत्र लिखो।

उत्तर:- सेवा में,

श्रीमान प्रधान पाठक

शा. क. पूर्व मा. शा. सारखी

विषय:- शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

सनम्र निवेदन है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण बिलासपुर हो गया है। अतः हम लोग सपरिवार वहीं जा रहे। मेरी आगे की पढ़ाई वहीं होगी। इसीलिए महोदय से निवेदन है कि मेरा स्थानांतरण प्रमाण पत्र तत्काल दिलाने की कृपा करें। ताकि मैं अन्य विद्यालय में अपना निरंतर जारी रख सकूँ।

धन्यवाद

पालक का हस्ताक्षर

दिनांक-

आपका आज्ञाकारी शिष्य

श्रीकांत शर्मा

कक्षा- 7 वीं

2. अपने प्रधान पाठक को पांच दिन की छुट्टी के लिए आवेदन पत्र लिखिए-

उत्तर:- सेवा में,

श्रीमान प्रधान पाठक

शा. क. पूर्व मा. शा. सारखी

विषय:- 5 दिन की छुट्टी के लिए आवेदन पत्र।

महोदय,

सनम्र निवेदन है कि गत रात्रि से मेरा स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने मुझे पांच दिन तक आराम करने को कहा है।

अतः मुझे 02-07-2019 से 06-07-2019 तक की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद

पालक का हस्ताक्षर

दिनांक-

आपका आज्ञाकारी शिष्य

सुनील वर्मा

कक्षा- 7 वीं

3. सातवीं कक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र।

उत्तर:- सेवा में,

श्रीमान प्रधान पाठक

शा. क. पूर्व मा. शा. सारखी

विषय:- कक्षा सातवीं में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

निवेदन है कि मैंने इसी वर्ष कक्षा छठवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। मुझे 81% अंक प्राप्त हुए है। मैं खेलकूद में भी रूचि लेता हूँ।

अतएव श्रीमान से प्रार्थना है कि आप अपनी शाला की सातवीं कक्षा में प्रवेश देने की कृपा करें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि शाला के सभी नियमों का पालन करूँगा।

संलग्न प्रपत्र- 1. कक्षा छठवीं उत्तीर्ण की अंकसूची

2. स्थानांतरण प्रमाण पत्र

आपका आज्ञाकारी शिष्य

सुनील वर्मा

4. अपने मित्र को पत्र लिखो जिसमें पढ़ाई के बारे में वर्णन हो।

उत्तर:-

शास्त्री निवास

पुरानी बस्ती,

रायपुर

दिनांक - 04/05/2019

प्रिय मित्र संदीप,

नमस्ते!

तुम्हारा पत्र मिला। पत्र पढ़कर मुझे बड़ी खुशी हुई। हमारी वार्षिक परीक्षा जल्द ही होने वाली है। शाला की पढ़ाई समाप्त हो चुकी है। मैं अच्छे अंक पाने के लिए खूब पढ़ रहा हूँ। अच्छे अंक पाने पर अच्छी शाला में नाम दर्ज हो सकता है।

तुम्हारी परीक्षा कब होगी, सूचित करना अपने माताजी-पिताजी से मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

प्रखर

5. अपने यहां की जलवायु की जानकारी देते हुए मित्र को पत्र लिखिए-

उत्तर:-

शास्त्री बाड़ा

107/3 पुरानी मंडी

बिलासपुर (छ. ग.)

दिनांक -

15/08/2019

प्रिय मित्र,

नमस्ते!

मैं यहा सकुशल हूँ आशा करता हूँ कि तुम भी कुशल से होगे। आपका पत्र कल ही प्राप्त हुआ था। सब समाचार अच्छे हैं, यह जानकर बड़ी खुशी हुई। मित्र ! तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि यहां रानीखेत जैसी ठण्डी नही है अपितु मई-जून महीने में प्रचण्ड गर्मी पड़ती है। जून माह के अंत में बरसात शुरू होने पर गर्मी से राहत मिलती है। वस्तुतः यहां बरसात, ठण्डी और गर्मी लगभग चार माह पड़ती है। जुलाई माह से अक्टूबर तक बरसात, नवम्बर से फरवरी तक ठण्डी और मार्च से जून माह तक गर्मी पड़ती है। मेरी पढ़ाई अच्छी चल रही है। अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना।

चाचा-चाची को प्रणाम कहना। छोटों को स्नेह देना। तुम्हारे पत्र के इंतजार में।

तुम्हारा प्रिय मित्र

अशोक

बढ़ते कदम
आकलन से शैक्षिक गुणवत्ता की ओर...

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता